www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक
शब्दवाणी समाचार
नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

वर्षः 24 अंकः 284 नई दिल्ली, शुक्रवार , 07 अगस्त, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

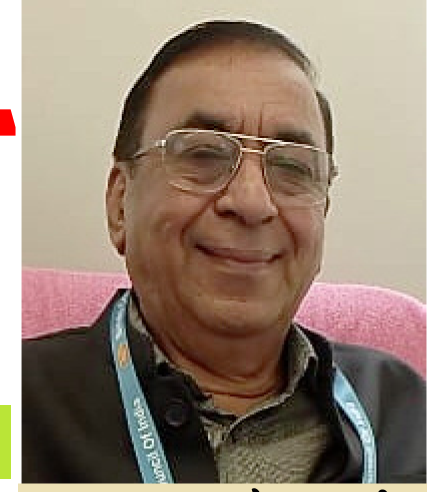

सलाहकार संपादकः अशोक लालवानी

Dedicated to Sindhi Council of India

लोकतंत्र में आंदोलन का लक्ष्य सहमति हो, विभाजन नहीं : मोहन भागवत

नई दिल्ली, 6 अगस्त (ब्यूरो)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि लोकतंत्र में आंदोलन संवाद का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, लेकिन उसका उद्देश्य समाज में सहमति बनाना होना चाहिए, विभाजन पैदा करना नहीं। उन्होंने कहा कि किसी भी मतभेद की स्थिति में पहला प्रयास बातचीत और संवाद का होना चाहिए तथा आंदोलन अंतिम विकल्प के रूप में अपनाया जाए।

मुंबई स्थित नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस के 15वें स्थापना समारोह में देशभर से आए 15 से 27 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं से संवाद करते हुए भागवत ने शिक्षा, आरक्षण, सोशल मीडिया, महिला नेतृत्व, रोजगार, पर्यावरण, एलजीबीटीक्यू समुदाय और भारत के पड़ोसी देशों से संबंधों सहित कई समकालीन विषयों पर अपने विचार रखे।

उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में संवाद और शास्त्रार्थ की समृद्ध संस्कृति रही है। लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन भी संवाद का ही एक माध्यम है, लेकिन उसका उद्देश्य समाज में व्यापक सहमति बनाना होना चाहिए, न कि मतभेदों को और गहरा करना।

भागवत ने शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा केवल डिग्री देने का माध्यम नहीं, बल्कि भावी पीढ़ी के निर्माण का आधार है। उन्होंने शिक्षा पर सकल बजट का छह प्रतिशत खर्च किए जाने का समर्थन किया और कहा कि समाज को भी शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

शिक्षकों के बेहतर प्रशिक्षण और प्रभावी क्रियान्वयन पर भी उन्होंने जोर दिया। आरक्षण के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सामाजिक भेदभाव समाप्त होने तक इसकी आवश्यकता बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने भी सामाजिक न्याय की इसी भावना के साथ आरक्षण की व्यवस्था का समर्थन किया था। इसलिए इस विषय को राजनीतिक विवाद का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए।

संघ प्रमुख ने युवाओं से सोशल मीडिया का जिम्मेदारी के साथ उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि केवल प्रमाणिक स्त्रोतों से प्राप्त जानकारी ही साझा की जानी चाहिए। समाजहित और सकारात्मक सामग्री को बढ़ावा देना नई पीढ़ी की जिम्मेदारी है तथा वरिष्ठ पीढ़ी को युवाओं का मार्गदर्शन करना चाहिए।

एलजीबीटीक्यू समुदाय पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में भागवत ने कहा कि भारतीय संस्कृति सभी को साथ लेकर चलने की रही है और यह समुदाय भी समाज का हिस्सा है। समलैंगिक विवाह के विषय में उन्होंने कहा कि विवाह एक

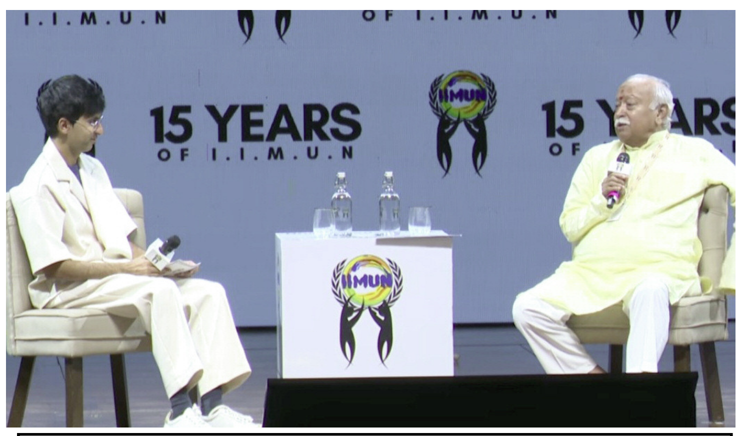

■ शिक्षा, आरक्षण, सोशल मीडिया, रोजगार, महिला नेतृत्व और एलजीबीटीक्यू जैसे मुद्दों पर युवाओं से खुलकर की चर्चा

पारंपरिक सामाजिक संस्था है, हालांकि समलैंगिक व्यक्तियों के साथ रहने के लिए समाज द्वारा स्वीकार्य कानूनी व्यवस्था पर विचार किया जा सकता है।

महिला नेतृत्व के संबंध में उन्होंने कहा कि महिलाएं और पुरुष समान एवं एक-दूसरे के पूरक हैं। महिलाओं को सभी क्षेत्रों में अवसर और प्रशिक्षण मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि संघ से जुड़े विभिन्न संगठनों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी है तथा शीर्ष निर्णय प्रक्रिया में भी महिला प्रतिनिधियों की सहभागिता रहती है। भागवत ने कहा कि रोजगार का अर्थ केवल सरकारी या निजी नौकरी नहीं है। कौशल विकास, उद्यमिता और श्रम के सम्मान को भी समान महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सच्चा नेतृत्व वही है जो स्वयं के साथ-साथ नए नेतृत्व का भी निर्माण करे।

पर्यावरण संरक्षण पर उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण दोनों साथ-साथ चल सकते हैं। नागरिकों को अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना चाहिए।

चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि युद्ध जैसी परिस्थितियों में संबंध प्रभावित होते हैं, लेकिन परिस्थितियां सामान्य होने पर संवाद का रास्ता तलाशना आवश्यक है।

साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि आतंकवाद भी युद्ध का ही एक स्वरूप है।

कार्यक्रम में दो हजार से अधिक छात्रों ने भाग लिया और विभिन्न राष्ट्रीय एवं सामाजिक मुद्दों पर सरसंघचालक से सीधे प्रश्न पूछे। भागवत ने कहा कि नई पीढ़ी हर विषय पर तर्क और कारण जानना चाहती है, जो लोकतांत्रिक समाज के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

असम के 14 जिलों में बाढ़ से 160653 आबादी प्रभावित, पांच और शव मिले

गुवाहाटी, 06 अगस्त (हि.स.)। असम में आई बाढ़ से ऊपरी असम के मुख्य रूप से चार जिले शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट एवं गोलाघाट बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। नदियों का जलस्तर कम होने के बावजूद पानी और कीचड़ लोगों के घरों में और रास्तों में अभी भी पसरा हुआ है। कुछ दिन पहले बाढ़ का असर 5 जिलों

तक सिमट गया था। वर्तमान में बाढ़ ने 14 जिलों को दायरे में ले लिया है।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 5 अगस्त को जारी आंकड़ों के अनुसार धनसिरि नदी (नुमलीगढ़) इलाके में खतरे के निशान से अभी भी ऊपर बह रही है। इस बीच बुधवार को शिवसागर जिले में 2, गोलाघाट जिले 1 एवं बिश्वनाथ जिले में 2 शव बरामद हुए। इसी के साथ बाढ़ से राज्य में मृतकों की कुल संख्या 94 पहुंच गई है। बाढ़ प्रभावित जिलों में गोलाघाट, लखीमपुर, चराईदेव, शिवसागर, बिश्वनाथ, धेमाजी, कामरूप (मेट्रो), जोरहाट, शोणितपुर, तिनसुकिया, नगांव, दरंग, कार्बी आंगलोंग एवं उदालगुरी शामिल हैं। बाढ़ से 14 जिलों के 38 राजस्व मंडलों के कुल 563 गांव प्रभावित हैं। वर्तमान समय में राज्य की कुल 160653 आबादी अभी भी प्रभावित हैं एवं 16951.761 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है।

राहत एवं बचाय अभियान में एसडीआरएफ, सेना/अर्धसैनिक बल, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ, एयर फोर्स, पुलिस, अग्निशमन और

सार संक्षेप

मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-4 का सफल परीक्षण

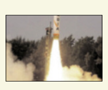

नई दिल्ली। भारत ने परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-4' का गुरुवार को सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह परीक्षण ओडिशा की चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से किया गया। सामरिक बल कमान की देख-रेख में किये गये परीक्षण के दौरान सभी संचालन और तकनीकी मानकों की पुष्टि हुई। यह मिसाइल 4,000 किलोमीटर तक मार करने में सक्षम है और एक टन वजनी परमाणु हथियार ले जा सकती है।

नीरज डांगी राज्यसभा में कांग्रेस संसदीय दल के सचेतक नियुक्त

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राज्यसभा सदस्य नीरज डांगी को राज्यसभा में कांग्रेस संसदीय दल का सचेतक (व्हिप) नियुक्त किया है। कांग्रेस संसदीय दल ने गुरुवार को यहां एक बयान में यह जानकारी देते हुए बताया कि श्री डांगी को राज्यसभा में कांग्रेस संसदीय दल का सचेतक बनाया गया है। राज्यसभा सदस्य रजनी पाटिल के सेवानिवृत्त होने से यह पद रिक्त हुआ है।

झारखंडः दलमा में बड़ी नक्सली साजिश नाकाम

सरायकेला। झारखंड के दलमा जंगल क्षेत्र में माओवादियों की नई गतिविधियों को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। सरायकेला-खरसावां के पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी ने दावा किया कि माओवादी संगठन किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में था। तीन नक्सलियों की गिरफ्तारी के साथ हथियारों का जखीरा भी बरामद किया गया है।

विमान ईंधन में एथेनॉल मिलाने की कोई योजना नहीं : नायडू

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापू राम मोहन नायडू ने गुरुवार को कहा कि विमान ईंधन में एथेनॉल मिलाने की योजना के दावों को गलत बताया और कहा कि इससे हवाई यात्रियों में अनावश्यक चिंता पैदा होती है। श्री नायडू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि सरकार द्वारा विमान ईंधन में एथेनॉल मिलाने की योजना होने का दावा 'पूरी तरह से झूठा और गैर-जिम्मेदाराना' है। उन्होंने कहा कि ऐसी किसी भी योजना का प्रस्ताव नहीं है। उल्लेखनीय है कि मीडिया में इस तरह की खबरें आयी थीं कि सरकार ने विमान ईंधन में एथेनॉल मिलाने की अनुमति दे दी है।

इसे लेकर मीडिया पर आई खबरों को गलत बताया

केजरीवाल ने भी सवाल उठाए थे

इसके बाद आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी सोशल मीडिया पर कहा कि इससे विमान का इंजन कभी भी बंद हो सकता है और यात्रियों की जान का खतरा हो सकता है। श्री नायडू ने स्पष्ट किया कि हरित विमान ईंधन एथेनॉल से अलग है। उन्होंने लिखा, 'एथेनॉल और हरित विमान ईंधन पूरी तरह अलग-अलग ईंधन हैं और इन्हें एक-दूसरे के समान नहीं माना जाना चाहिए। हरित विमान ईंधन एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित विमानन ईंधन है, जिसे अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन द्वारा मान्यता प्राप्त है और दुनिया भर में अपनाया गया है। यह कठोर परीक्षणों से गुजरता है और वैश्विक सुरक्षा के सख्त मानकों पर खरा उतरता है। 'नागरिक उड्डयन मंत्री ने यात्रियों की सुरक्षा को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि विमानन सुरक्षा से जुड़ी गलत जानकारी फैलाने से केवल हवाई यात्रियों में अनावश्यक चिंता पैदा होती है।

सीजेपी के संयोजक बनाए गए अभिजीत दिपके

छत्रपति संभाजीनगर, 6 अगस्त (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपनी पहली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए संगठन के शीर्ष पदाधिकारियों के नामों का औपचारिक ऐलान किया। पार्टी ने कहा कि देशभर में संगठन के विस्तार और अपने रोडमैप को लागू करने के लिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने इस नेतृत्व टीम को मंजूरी दी है। पार्टी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 30 वर्षीय अभिजीत दिपके को संस्थापक एवं राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया है। वहीं 30 वर्षीय आशुतोष रांका और 27 वर्षीय सौरव दास को राष्ट्रीय सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राष्ट्रीय संगठन प्रभारी के रूप में 35 वर्षीय अजिंक्य शिंदे और संगठन सह-प्रभारी के रूप

■ 'सीजेपी' ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी का किया ऐलान

में 26 वर्षीय दीपक बलियान की नियुक्ति की गई है। 34 वर्षीय आफरीन नवाज को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। पार्टी ने विभिन्न प्रकोष्ठों के लिए भी जिम्मेदारियां तय की हैं। विजय रेड्डी मल्लांगी को मीडिया प्रमुख, रत्ना सिंह को विधिक मामलों की प्रमुख, वैष्णवी गौर को अनुसंधान एवं नीति प्रमुख, रोहन देशपांडे को प्रौद्योगिकी प्रमुख और योगेश इंगले को वित्त प्रमुख नियुक्त किया गया है।

तरुण तेजपाल को 10 साल की सजा मिली

बॉम्बे हाईकोर्ट ने यौन उत्पीड़न मामले में सुनाया फैसला

मुंबई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को 'तहलका' के पूर्व एडिटर तरुण तेजपाल को 2013 में अपनी एक जूनियर सहयोगी के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में 10 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने उन्हें बरी करने के फैसले को पलटते हुए रेप और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी के तहत अन्य अपराधों का दोषी ठहराया। जस्टिस नीला गोखले और जस्टिस अमित जमसंडेकर की बेंच ने सजा का ऐलान

किया और तेजपाल को जेल अधिकारियों के सामने सरेंडर करने के लिए दो हफ्ते का समय दिया। फैसला सुनाते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट ने तेजपाल को आईपीसी की धाराओं 376(2)(एफ) और 376(2)(के) (रेप), 354ए (यौन उत्पीड़न) और 354बी के तहत दोषी ठहराया। सजा पर सुनवाई के दौरान तेजपाल के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में अपील करने के लिए सजा पर आठ हफ्ते की रोक लगाने की मांग की।

जूनियर सहयोगी के आरोपों से जुड़ा

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि इस मामले में यौन हिंसा के खिलाफ कड़ा संदेश देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'जब कोई लड़की 'ना' कहती है, तो उसका मतलब 'ना' ही होता है। 'यह मामला एक जूनियर सहयोगी के आरोपों से जुड़ा है।

सरकार ने संसद में दी जानकारी

इंडिगो, फिजिक्स वाला समेत 9 प्लेटफॉर्म्स पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने इंडिगो, जेप्टो, फिजिक्स वाला, बुकमाईशो, फर्स्टक्राई और स्पाइसजेट समेत नौ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जुर्माना लगाया है।

इन प्लेटफॉर्म पर 'डार्क पैटर्न' जैसे भ्रामक ऑनलाइन तरीके इस्तेमाल करने का आरोप है, जिनसे खरीदारी और सब्सक्रिप्शन के दौरान ग्राहकों को गुमराह किया जाता है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में इस कार्रवाई की जानकारी दी। सरकार ने बताया कि रेगुलेटर ने ग्राहकों को ऐसे ऑनलाइन इंटरफेस से बचाने के लिए सख्ती बढ़ा दी है, जो खरीदारी के फैसलों को प्रभावित करने के लिए बनाए जाते हैं। मंत्रालय के अनुसार, सीसीपीए ने उन कंपनियों के खिलाफ

सीसीपीए ने डार्क पैटर्न्स के खिलाफ कार्रवाई की

कार्रवाई की है जो 'डार्क पैटर्न' के अलग-अलग तरीकों का इस्तेमाल करती पाई गईं। इनमें ड्रिप प्राइसिंग, बास्केट स्नीकिंग, कन्फर्म शेमिंग, सब्सक्रिप्शन ट्रैप और गुमराह करने वाले प्रॉम्प्ट शामिल हैं। इन तरीकों का मकसद यूजर्स को ऐसे फैसले लेने के लिए प्रेरित करना है जो वे शायद खुद नहीं लेते। रेगुलेटर ने अब तक गाइडलाइंस का उल्लंघन करने वाली कंपनियों से लगभग 20 लाख रुपए का जुर्माना वसूला है।

फिजिक्स वाला पर 5 लाख का जुर्माना लगाया

एडटेक प्लेटफॉर्म फिजिक्स वाला पर 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। सीसीपीए ने पाया कि यूजर्स को भावनात्मक रूप से प्रभावित करने वाले संदेश दिखाए जा रहे थे, जो उन्हें डोनेशन का विकल्प बनाए रखने के लिए प्रेरित करते थे।

■ दिल्ली और गुरुग्राम में गुरुवार को हुई भारी बारिश से कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया। इससे सड़कों पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। दिल्ली-जयपुर हाईवे, धौला कुआं, कालिंदी कुंज, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे, ग्रीन पार्क और एम्स समेत कई सड़कों पर गाड़ियां रेंगती नजर आईं।

अतीक के छोटे बेटे की सड़क हादसे में मौत

झांसी, 6 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में गुरुवार को माफिया अतीक अहमद के छोटे बेटे अबान अहमद समेत दो लोगों की भीषण सड़क हादसे में मौत हो गई जबकि कई गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है सभी कार सवार प्रयागराज से झांसी जेल में बंद अतीक के बड़े बेटे अली अहमद से मुलाकात करने जा रहे थे। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार कार के अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने की बात सामने आई है।

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई

पुलिस के अनुसार, हादसा झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पूछ थाना क्षेत्र के के पास हुआ।

एफसीआरए संशोधन विधेयक 2026 को लेकर गृह मंत्री अमित शाह से मिला धार्मिक नेताओं का प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली, 06 अगस्त (हि.स.)। अल्पसंख्यकों के संयुक्त कार्य मंच के अध्यक्ष और सांसद पी. विल्सन के नेतृत्व में भारत के विभिन्न ईसाई समुदायों और धार्मिक संस्थाओं के प्रमुख प्रतिनिधियों के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। बैठक में प्रस्तावित विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने गृह मंत्री को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपकर प्रस्तावित

विधेयक को वर्तमान स्वरूप में वापस लेने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यदि विधेयक में संशोधन के साथ आगे बढ़ने की प्रक्रिया जारी रहती है तो इसे व्यापक चर्चा, सभी संबंधित पक्षों से परामर्श और कानूनी पहलुओं की समीक्षा के लिए संयुक्त संसदीय समिति को भेजा जाना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 की धारा 15 को लेकर चिंता जताई और इसे हटाने की मांग की। प्रतिनिधियों का कहना था कि विदेशी अंशदान से संचालित धर्मार्थ संस्थाओं या उनकी संपत्तियों को सरकार के अधीन करने का कोई भी प्रावधान नहीं होना चाहिए।

प्रतिनिधिमंडल में दिल्ली डायोसिस के आर्चबिशप अनिल कूटो, चर्च ऑफ साउथ इंडिया के मॉडरेटर डॉ. के. रूबेन मार्क, करुण्या विश्वविद्यालय के चांसलर और जीसस कॉल्स के संस्थापक डॉ. पॉल दिनाकरन, नेशनल काउंसिल ऑफ चर्चेज इन इंडिया के महासचिव रेव. डॉ. असीर एबेनेजर, चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया के प्रतिनिधि, बैपटिस्ट चर्च के पदाधिकारी तथा अन्य प्रमुख धार्मिक नेता शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने गृह मंत्री को बताया कि प्रस्तावित संशोधनों में विदेशी अंशदान प्राप्त करने वाली संस्थाओं के पंजीकरण समाप्त होने, धर्मार्थ संपत्तियों के सरकार में निहित होने, संस्थाओं के प्रबंधन में सरकारी भूमिका और संपत्तियों के स्थायी हस्तांतरण जैसे प्रावधान शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

समयसीमा में पूरी हों सभी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं: प्रवेश साहिब सिंह

नई दिल्ली, 6 अगस्त (दिव्य भारत ब्यूरो)। दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने राजधानी में लंबित आधारभूत संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी विभाग बेहतर समन्वय के साथ प्रक्रियागत बाधाओं को दूर करें ताकि दिल्लीवासियों को जल्द राहत मिल सके। एनएचएआई एवं दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) से जुड़े मामलों पर आयोजित यूटी लेवल कोऑर्डिनेशन कमेटी की पांचवीं बैठक में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), एनएचएआई, दिल्ली पुलिस, एमसीडी, दिल्ली जल बोर्ड, डीडीए, राजस्व विभाग, डीएमआरसी, बीएसईएस समेत विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में एनएच-24 पर पटपड़गंज और पांडव नगर अंडरपास सहित जलभराव वाले संवेदनशील स्थलों की समीक्षा की गई। महिपालपुर टी-पॉइंट, नौसेना भवन, थल सेना भवन और आर एंड आर अस्पताल अंडरपास में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए पीडब्ल्यूडी और एनएचएआई को आवश्यक इंजीनियरिंग उपाय लागू करने के निर्देश दिए गए। बताया गया कि एनएच-24 से जुड़े नाले की डीसिल्टिंग का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि सड़क की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य एनएचएआई करेगा। बैठक में अंधेरिया मोड़-एनएच-48 कॉरिडोर, रंगपुरी बाईपास टनल, रोहतक रोड कॉरिडोर, सर्विस रोड, ड्रेनेज इंफ्रास्ट्रक्चर तथा विभिन्न परियोजनाओं में लंबित यूटिलिटी शिफ्टिंग की भी समीक्षा हुई। बीएसईएस और अन्य एजेंसियों को तकनीकी औपचारिकताएं शीघ्र पूरी करने तथा लंबित स्वीकृतियों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि सरकार अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी इंजीनियरिंग समाधान में विश्वास रखती है। बेहतर योजना, मजबूत समन्वय और समयबद्ध क्रियान्वयन के माध्यम से नागरिकों को दीर्घकालिक राहत उपलब्ध कराई जाएगी। बैठक में राजस्व विभाग को भूमि सीमांकन और अधिग्रहण संबंधी लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण करने तथा दिल्ली जल बोर्ड को यूटिलिटी शिफ्टिंग और एनओसी से जुड़े मामलों को प्राथमिकता पर निपटाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा दिल्ली की सीमाओं पर एमसीडी टोल प्लाजा पर लगने वाले जाम, द्वारका एक्सप्रेसवे और यूईआर-2 पर अतिक्रमण, अवैध पार्किंग और यातायात प्रबंधन की समीक्षा की गई। संबंधित एजेंसियों को संयुक्त अभियान चलाकर सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए। यूईआर-2 पर एम्बुलेंस सुविधा और हाईवे पेट्रोलिंग को मजबूत करने के साथ सभी विभागों को अगली समीक्षा बैठक से पहले एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए।

दिल्ली लक्ष्मी योजना में चार लाख से ज्यादा पंजीकरण, डेढ़ लाख आवेदन हुए जमा

नई दिल्ली, 06 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली लक्ष्मी योजना के तहत गुरुवार को चार लाख से ज्यादा (4,25,631) से महिलाओं ने पंजीकरण और लगभग डेढ़ लाख (1,49,941) आवेदन अंतिम रूप से जमा कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को शालीमार बाग स्थित ह्यदिल्ली लक्ष्मी योजनाह्ल शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां उपस्थित महिलाओं से संवाद कर योजना के पंजीकरण की प्रक्रिया एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। महिलाओं ने योजना के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया और उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण औक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने शिविर में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र महिला का आवेदन सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाए ताकि किसी भी लाभार्थी को अनावश्यक कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि योजना का लाभ अंतिम पात्र महिला तक सुगमता से पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग की विधायक के रूप में दिल्ली लक्ष्मी योजना के लिए आवेदन करने वाली पात्र महिलाओं के आवेदन पत्रों का परीक्षण किया और आवश्यक सत्यापन के उपरांत उन पर हस्ताक्षर भी किए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में यह उनका दायित्व है कि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिले और किसी भी स्तर पर प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। ह्यदिल्ली लक्ष्मी योजनाह्ल केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता प्रदान करने का संकल्प है। वहीं स्वच्छता एवं बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार का लक्ष्य है कि दिल्ली का प्रत्येक नागरिक बेहतर सुविधाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सहजता से प्राप्त कर सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1 अगस्त को शुरू हुई दिल्ली लक्ष्मी योजना में अब तक 4 लाख से ज्यादा महिलाओं ने अपना पंजीकरण कराया है। इस योजना के अंतर्गत महिलाओं के बैंक खातों में प्रतिमाह 2,500 की राशि सीधे हस्तांतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि आपने अभी तक पंजीकरण नहीं कराया है, तो ३३स्र://ि८.ी्.ि्न५.ल्ल पर लॉग इन करें। किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर अपने निकटतम पंजीकरण शिविर में अवश्य आए।

मुख्यमंत्री ने की नियुक्तियों और भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा

नई दिल्ली, 06 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (डीएसएसएसबी) द्वारा की जा रही भर्ती प्रक्रिया की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने नियुक्तियों में तेजी लाने, भर्ती से जुड़े लंबित मामलों को सुलझाने और योग्य उम्मीदवारों को समय पर अवसर सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इस बैठक में दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने बुधवार को हुई समीक्षा के दौरान लंबित भर्ती परीक्षाएं और नतीजों की घोषणा, विभाग-वार रिक्तियां और भर्ती के लिए मांग-पत्र, टीजीटी भर्ती और सीटीईटी से जुड़े मामलों की प्रगति पर चर्चा की। इसके साथ-साथ उन्होंने बैठक में शिक्षा निदेशालय में रिक्तियां, लंबित नतीजे और डोसियर, ऑपरेशन थिएटर (ओटी) असिस्टेंट, टेक्नीशियन, ऑप्टोमेट्रिस्ट और रेडियोग्राफर की भर्ती व पैरामेडिकल और नर्सिंग भर्ती से जुड़े ई-अपॉइंटमेंट पोर्टल के मुद्दे की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार एक पारदर्शी, योग्यता-आधारित और समय-सीमा के भीतर पूरी होने वाली भर्ती प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया समय पर पूरी होने से युवाओं के लिए अवसर बढ़ेंगे और साथ ही जरूरी सार्वजनिक सेवाओं की आपूर्ति भी बेहतर होगी। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने गुरुवार को सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते बताया कि इस समीक्षा बैठक में नियुक्तियों में तेजी लाने, भर्ती से जुड़े लंबित मामलों को सुलझाने और योग्य उम्मीदवारों को समय पर अवसर सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा कि भर्तियों में तेजी लाकर और लंबित रिक्तियों की समस्या का समाधान करके, दिल्ली सरकार योग्य उम्मीदवारों के लिए अधिक अवसर पैदा कर रही है और साथ ही शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र में एक मजबूत कार्यबल तैयार कर रही है।

मानसून सत्र से पूर्व सुरक्षा व्यवस्था की हुई समीक्षा, पुलिस ने की विधानसभा में मॉक ड्रिल

नई दिल्ली, 06 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा में शुक्रवार से प्रारंभ होने वाले मानसून सत्र की सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर गुरुवार को उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की। बैठक में संभावित सुरक्षा चुनौतियों, सुरक्षा बलों की तैनाती, निगरानी प्रणाली, संचार व्यवस्था, आपातकालीन कार्ययोजना, आगंतुक प्रबंधन, तलाशी व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा चिकित्सा, अग्निशमन एवं निकासी जैसी आपातकालीन व्यवस्थाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों सहित विशेष पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) देवेश श्रीवास्तव, संयुक्त पुलिस आयुक्त (नॉर्दर्न रेंज) मधुकर वर्मा, पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बंथिया, पुलिस उपायुक्त (सुरक्षा) हुकमाराम साई, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (उत्तर) निहारिका भट्ट तथा अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), दिल्ली अग्निशमन सेवा, बम डिस्पोजल स्क्वैड, डिटेक्टिव यूनिट, स्पेशल स्टाफ, स्वाट टीम, स्थानीय पुलिस, एम्बुलेंस सेवाओं तथा दिल्ली विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों ने भी बैठक में भाग लिया।

मानसून सत्र से पहले दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को विधानसभा परिसर में एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया, ताकि सुरक्षा तैयारियों, आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने की तत्परता का आकलन किया जा सके। विशेष पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) देवेश श्रीवास्तव ने अध्यक्ष को अवगत कराया कि मानसून सत्र के सुचारु एवं सुरक्षित संचालन के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष को बताया गया कि मानसून सत्र के दौरान लगभग 130 पुलिसकर्मी, जिनमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान भी शामिल होंगे, सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैनात किए जाएंगे।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि विधानसभा परिसर की सुरक्षा को और मजबूत करने तथा बाहरी दृश्य पहुंच को रोकने के लिए परिसर की परिधि पर व्यू कटर लगाए जाएंगे। साथ ही एक सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) स्तर के अधिकारी की विधानसभा में स्थायी तैनाती की जाएगी। विधानसभा परिसर में दिल्ली पुलिस के लिए एक समर्पित कार्यालय भी स्थापित किया जाएगा, जिससे सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय, सतत निगरानी तथा किसी भी सुरक्षा संबंधी स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

मानसून सत्र को ध्यान में रखते हुए विधानसभा की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया गया है। सभी प्रवेश द्वारों पर हाइड्रोलिक रोड ब्लॉकर लगाए जा रहे हैं, प्रवेश नियंत्रण प्रणाली को और मजबूत किया जा रहा है तथा जमीनी स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था को व्यापक रूप से बढ़ाया जा रहा है। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) पहले से ही तैनात कर दी गई है। संशोधित प्रवेश व्यवस्था के अनुसार, विधानसभा परिसर में प्रवेश केवल गेट संख्या-1 से ही होगा, जबकि अन्य सभी प्रवेश द्वारों का उपयोग नियंत्रित रखा जाएगा, ताकि परिसर की सुरक्षा और बेहतर बनाई जा सके। बैठक के अंत में विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि मानसून सत्र के सुरक्षित, सुचारु एवं सफल संचालन के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं और सभी संबंधित एजेंसियां पूरे सत्र के दौरान आपसी समन्वय बनाए रखते हुए कार्य करें।

यूजीसी नेट की उत्तर कुंजी और परिणाम जारी करने की मांग, अभाविप ने यूजीसी सचिव को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली, 06 अगस्त (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने यूजीसी नेट जून 2026 परीक्षा की प्रोविजनल उत्तर कुंजी और परिणाम जारी करने में हो रही देरी को लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के सचिव प्रो. श्याम राठ को गुरुवार को ज्ञापन सौंपा। परिषद ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से शीघ्र प्रोविजनल उत्तर कुंजी और परिणाम जारी कराने, देरी के कारणों पर सार्वजनिक स्पष्टीकरण देने तथा भविष्य में राष्ट्रीय परीक्षाओं के लिए पारदर्शी और समयबद्ध प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग की।

अभाविप का कहना है कि 22 से 30 जून 2026 के बीच आयोजित यूजीसी नेट परीक्षा संपन्न हुए एक माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक न तो प्रोविजनल उत्तर कुंजी जारी की गई है और न ही परिणाम घोषित किए गए हैं। संगठन के अनुसार इस विलंब से देशभर के लाखों अभ्यर्थियों का शैक्षणिक, शोध एवं व्यावसायिक भविष्य प्रभावित हो रहा है तथा विद्यार्थियों में असमंजस और चिंता का माहौल बना हुआ है।

ज्ञापन में कहा गया है कि यूजीसी नेट सहायक आचार्य के रूप में पात्रता, पीएचडी प्रवेश और जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) के लिए पात्रता निर्धारित करने वाली महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परीक्षा है। सामान्य प्रक्रिया के अनुसार परीक्षा के कुछ दिनों बाद प्रोविजनल उत्तर कुंजी जारी कर अभ्यर्थियों से आपत्तियां आमंत्रित की जाती हैं और उसके बाद अंतिम परिणाम घोषित किए जाते हैं। परिषद ने आरोप लगाया कि इस बार निर्धारित प्रक्रिया में असामान्य देरी हुई है और एनटीए अथवा यूजीसी की ओर से कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण भी उपलब्ध नहीं कराया गया है।

अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह सोलंकी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं की विश्वसनीयता उनकी पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही पर आधारित होती है। उन्होंने कहा कि यूजीसी नेट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा की उत्तर कुंजी और परिणाम में अनावश्यक देरी से लाखों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने यूजीसी से विद्यार्थी हितों को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र उत्तर कुंजी और परिणाम जारी करने, विलंब के कारणों का सार्वजनिक स्पष्टीकरण देने तथा भविष्य के लिए निश्चित समय-सीमा तय करने का आग्रह किया।

यूजीसी सचिव को ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह सोलंकी, दिल्ली प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा, प्रदेश सह मंत्री विकास पटेल, प्रदेश छात्रा कार्य सह प्रमुख अंकिता मंचंदा, दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) अध्यक्ष आर्यन मान तथा जेएनयू छात्रा कार्य प्रमुख मनीषा डाबला शामिल रहे।

आआपा ने एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर उठाए सवाल, शिफ्टेड मतदाताओं का डेटा साझा करने की मांग

नई दिल्ली, 06 अगस्त (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व में गुरुवार को पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात कर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में मतदाताओं को गलत तरीके से शिफ्टेड दिखाया जा रहा है और कई क्षेत्रों में बीएलओ द्वारा एन्यूमरेशन फॉर्म भी वितरित नहीं किए गए। मुलाकात के बाद सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अनधिकृत कॉलोनियों, गांवों और झुग्गी बस्तियों में बीएलओ ने सभी घरों तक फॉर्म नहीं पहुंचाए हैं। उनका दावा है कि करीब 60 प्रतिशत लोगों को बिना उचित सत्यापन के शिफ्टेड दर्शा दिया गया। उन्होंने मांग की कि चुनाव आयोग ऐसे सभी मतदाताओं के नाम, पते और फोन नंबर राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को उपलब्ध कराए ताकि वे स्वयं फोन कर सत्यापन कर सकें कि संबंधित व्यक्ति वास्तव में स्थानांतरित हुआ है या नहीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और हरियाणा से आए बड़ी संख्या में लोग किराये के मकानों में रहते हैं और समय-समय पर एक इलाके से दूसरे इलाके में स्थान बदलते हैं। ऐसे वास्तविक मतदाताओं को भी एन्यूमरेशन फॉर्म नहीं मिल रहे हैं, जिससे उनके नाम मतदाता सूची से हटने का खतरा पैदा हो गया है। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि एसआईआर से पहले हुई प्रक्रिया में करीब 10 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए थे। उन्होंने कहा कि यदि ऐसे मतदाताओं को अब भी एन्यूमरेशन फॉर्म नहीं मिलते हैं तो उनके मतदान अधिकार प्रभावित होंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि जिन मतदाताओं को शिफ्टेड बताया जा रहा है, उन्हें चुनाव आयोग कम से कम एसएमएस के माध्यम से सूचना दे। प्रतिनिधिमंडल में शामिल विधायक संजीव झा ने कहा कि यदि किसी मतदाता को गलती से शिफ्टेड दिखा दिया गया है और वह स्वयं उपस्थित होकर अपनी जानकारी देता है, तो उसे एसआईआर प्रक्रिया में शामिल किया जाना चाहिए।

स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने अतिरिक्त आयुक्तों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

नई दिल्ली, 06 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने गुरुवार को निगम के अतिरिक्त आयुक्तों एवं विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में निगम के कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों के नियमितीकरण, डॉग शेल्टर होम के निर्माण, पौधरोपण अभियान, शिक्षकों की ट्रांसफर नीति तथा अन्य महत्वपूर्ण जनहित के विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर स्थायी समिति के उपाध्यक्ष सत्यपाल सिंह एवं सदन के नेता जयभगवान यादव भी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान सत्या शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निगम के कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों के नियमितीकरण के लिए एक स्पष्ट एवं पारदर्शी नीति तैयार की जाए।

उन्होंने कहा कि करुणामूलक आधार पर नियुक्त कर्मचारियों के नियमितीकरण की प्रक्रिया में भी तेजी लाई जाए। उन्होंने इस विषय पर प्रत्येक दो से तीन माह में समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि प्रक्रिया की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

डॉग शेल्टर होम के संबंध में उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गाजीपुर एवं मसूदपुर में शीघ्र डॉग शेल्टर होम स्थापित किए जाएं। उन्होंने बताया कि गाजीपुर में भूमि उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली सरकार को प्रस्ताव भेजा जा चुका है तथा आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त होने के बाद निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा।

सत्या शर्मा ने पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवारा कुत्तों के एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) कार्यक्रम का कार्य कर रही गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) के कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि जो संस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही हैं अथवा अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन नहीं कर रही हैं, उनके विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने सभी एबीसी केंद्रों के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में उद्यान विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी वार्डों में संबंधित पार्षदों के साथ से कम से कम 100-100 पौधे लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि यह अभियान दिल्ली की हरियाली बढ़ाने के लिए तथा पर्यावरण संरक्षण को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान सत्या शर्मा ने अधिकारियों को शिक्षकों की ट्रांसफर नीति में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि स्थानांतरण प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी बनाया जाए तथा शिक्षकों की ट्रांसफर एवं पोस्टिंग यथासंभव दूरी के आधार पर की जाए, ताकि उन्हें अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

जनस्वास्थ्य की समीक्षा के दौरान सत्या शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान सभी कांवड़ शिविरों में प्रतिदिन सुबह एवं शाम नियमित रूप से फॉगिंग कराई जाए, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके तथा डेंगू, मलेरिया एवं अन्य मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए घर-घर जाकर लार्वा जांच एवं स्रोत नष्ट करने के अभियान में और तेजी लाई जाए। संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण, एंटी-लार्वा गतिविधियों तथा जनजागरूकता अभियानों को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए, ताकि डेंगू एवं अन्य मच्छरजनित बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

बैठक के अंत में सत्या शर्मा ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े सभी विषयों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए, जिससे निगम की सेवाएं अधिक प्रभावी, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बन सकें।

सुषमा स्वराज की पुण्यतिथि पर भाजपा नेताओं ने दी श्रद्धांजलि, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत किया पौधरोपण

नई दिल्ली, 06 अगस्त (हि.स.)। पूर्व विदेशमंत्री एवं पद्म विभूषण सुषमा स्वराज की पुण्यतिथि पर गुरुवार को दिल्ली भाजपा ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता, नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज, सांसद मनोज तिवारी, योगेंद्र चंदोलिया और प्रवीण खंडेलवाल सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं ने दिल्ली भाजपा कार्यालय और वसंत उद्यान में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। बाद में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत उनकी स्मृति में पौधरोपण भी किया। दिल्ली भाजपा कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में नेताओं ने स्वर्गीय सुषमा स्वराज के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके उपरांत वसंत विहार स्थित वसंत उद्यान में स्मृति कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहां उनकी स्मृति में पौधे रोपे गए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सुषमा स्वराज उनके जीवन की प्रेरणास्रोत थीं। उन्होंने कहा कि वे समाज एवं दिल्ली के लिए आज जो कुछ कर पा रही हैं, वह सुषमा स्वराज से मिली प्रेरणा एवं मार्गदर्शन का परिणाम है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि सुषमा स्वराज केवल एक नेता नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति का ऐसा आदर्श थीं, जिनमें संवेदनशीलता और दृढ़ता के साथ सत्ता और सेवा का अद्भुत समन्वय था। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री के रूप में सुषमा स्वराज ने भारतीयों के बीच भरोसे का ऐसा संबंध स्थापित किया कि दुनिया के किसी भी कोने में संकट में फंसे भारतीयों को विश्वास रहता था कि दिल्ली में उनका अपना कोई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सुषमा स्वराज के राष्ट्र प्रथम, सेवा और महिला सम्मान के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि सुषमा स्वराज एक संवेदनशील और कर्मशील नेता थीं, जिन्होंने भाजपा के हजारों कार्यकर्ताओं का निर्माण किया। उनके नेतृत्व और स्नेह ने अनेक कार्यकर्ताओं को सार्वजनिक जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

अभाविप ने परीक्षा व भर्ती में अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन तेज किया

नई दिल्ली, 06 अगस्त (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने प्रतियोगी परीक्षाओं, प्रवेश परीक्षाओं और भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितता, प्रश्नपत्र लीक तथा भ्रष्टाचार के विरोध में देशभर में अपना आंदोलन तेज कर दिया है। संगठन ने कहा कि झारखंड, कर्नाटक, पंजाब, बिहार समेत कई राज्यों में परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और संस्थागत सुधार की मांग को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन चलाया जा रहा है। अभाविप ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि प्रत्येक परिश्रमी विद्यार्थी को निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय परीक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराना सरकारों और परीक्षा एजेंसियों की जिम्मेदारी है।

संगठन का आरोप है कि कई राज्यों में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं से विद्यार्थियों का विश्वास प्रभावित हुआ है। परिषद के अनुसार, पंजाब में विधानसभा घेराव के दौरान प्रश्नपत्र लीक और भर्ती अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन कर रहे अभाविप कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज और वाटर कैनन का प्रयोग किया। संगठन ने दावा किया कि इस कार्रवाई में कई कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हुए। अभाविप ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताते हुए पंजाब सरकार पर प्रशासनिक संवेदनहीनता का आरोप लगाया। संगठन के अनुसार, कर्नाटक के हुब्बली में केपीएससी प्रकरण की सीबीआई जांच, भर्ती अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच तथा रिक्त शिक्षकीय पदों पर शीघ्र नियुक्तियों की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने छात्रों की मांगें मानीं, समाप्त हुई एनएसयूआई की भूख हड़ताल

नई दिल्ली, 06 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्रों की मांगों को लिखित रूप से स्वीकार करने के बाद भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के पांच कार्यकताओं ने गुरुवार को अपनी आठ दिनों से जारी भूख हड़ताल समाप्त कर दी। संगठन ने इसे छात्र आंदोलन की बड़ी जीत बताते हुए कहा कि वह विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा दिए गए आश्वासनों के क्रियान्वयन पर लगातार नजर रखेगा। कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष देवेंद्र यादव प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे तथा आठ दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों से मुलाकात की। उन्होंने आंदोलनरत छात्रों की समस्याएं सुनीं और उनकी मांगों को विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष प्रमुखता से रखा। भूख हड़ताल पर बैठे पांच छात्रों में सिद्धांत तिवारी, कुलदीप गुर्जर, सागर चौधरी, दीपक चौधरी और पार्थ राव शामिल थे। इस दौरान दिल्ली विवि के दक्षिण परिसर की निदेशक प्रोफेसर रजनी अब्बी भी प्रदर्शन स्थल पर मौजूद रहीं। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से छात्रों की मांगों के संबंध में लिखित आश्वासन सौंपा।

भविष्यफल

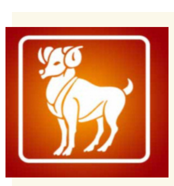

मेष- कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

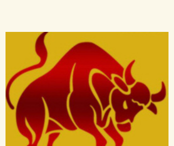

वृष- यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

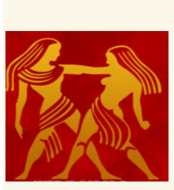

मिथुन- शनै-शनै स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क- मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह- कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

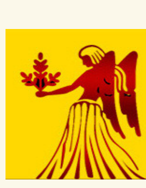

कन्या- अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला- कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

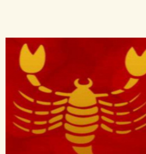

वृश्चिक- अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु- धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धम-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर- परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

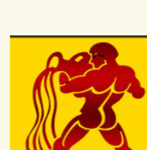

कुंभ- पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

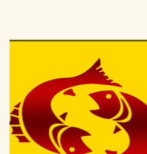

मीन- भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-5-6

सबसे ताकतवर टेलीस्कोप ने पहली बार देखा सूरज की आग का भंवर

● वाशिंगटन / (एजेंसी)

वैज्ञानिकों ने सूरज का रहस्य अब उजागर किया है। सूरज की सतह पर आग के विशाल भंवर उठ रहे हैं, जो लाखों किलोमीटर दूर पृथ्वी की जिंदगी तक को प्रभावित कर सकते हैं? वैज्ञानिकों ने अब सूरज के अंदर छिपे एक ऐसे ही रहस्य से पर्दा उठाया है। दुनिया के सबसे पावरफुल सोलर टेलीस्कोप ने पहली बार सूरज की सतह पर होने वाली उस हलचल को कैद किया है, जिसने दशकों से वैज्ञानिकों को उलझा रखा था।

सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के हवाई के माउई द्वीप पर स्थित नेशनल साइंस फाउंडेशन के डेनियल के. इनोए सोलर टेलीस्कोप ने सूरज की अब तक की सबसे साफ तस्वीरें और टाइम-लैप्स वीडियो रिकॉर्ड किए हैं। वैज्ञानिकों ने इस टेलीस्कोप से सूरज के एक सनस्पॉट, यानी बहुत ही ज्यादा एक्टिव इलाके के पास झांककर देखा कि वहां बेहद छोटे लेकिन शक्तिशाली भंवर बन रहे हैं। ये भंवर सूरज की दिखाई देने वाली सतह पर पैदा हो रहे थे। सूरज की दिखाई देने वाली सतह को फोटोस्फीयर कहा जाता है। अब माना जा रहा है कि ये घूमते हुए भंवर ही उस अतिरिक्त ऊर्जा को पैदा करते हैं, जो कोरोना को बेहद गर्म बना देती है

अब माना जा रहा है कि ये घूमते हुए भंवर ही उस अतिरिक्त ऊर्जा को पैदा करते हैं जो कोरोना को बना देती है बेहद गर्म

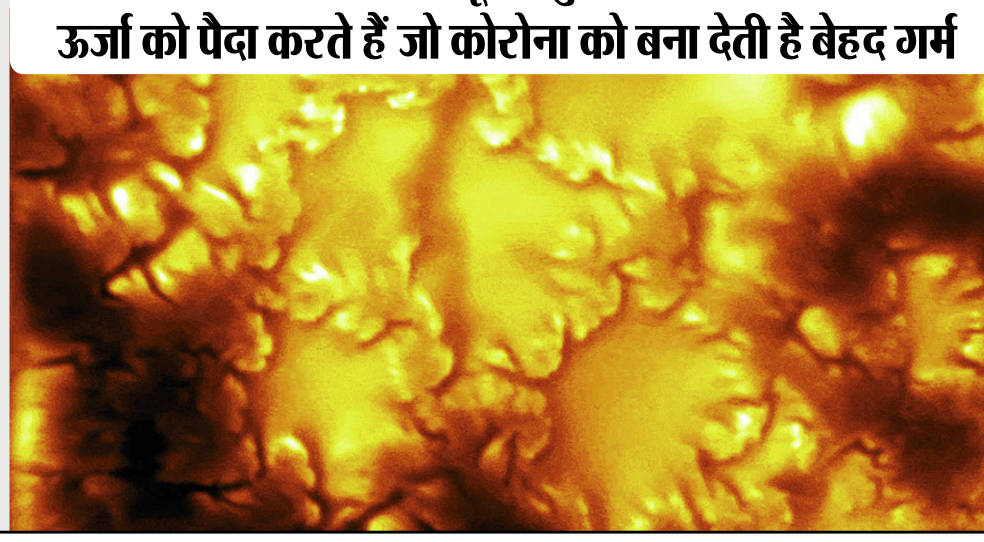

वैज्ञानिकों ने क्या पाया

टेलीस्कोप से क्लिक की गईं इन तस्वीरों और कंप्यूटर सिमुलेशन की मदद से वैज्ञानिकों ने पता लगाया कि ये भंवर एक खास प्रक्रिया का हिस्सा हैं, जिसे केल्विन-हेल्महोल्ट्ज इनस्टैबिलिटी (केएचआई) कहा जाता है। यह वही प्रक्रिया है, जो सूरज के कई बड़े रहस्यों का जवाब हो सकती है। दरअसल वैज्ञानिक लंबे समय से यह समझने की कोशिश कर रहे थे कि सूरज की बाहरी परत, यानी कोरोना, उसकी सतह से कहीं ज्यादा गर्म क्यों है। लेकिन इस खोज का असर सिर्फ सूरज तक सीमित नहीं है। यही भंवर सूरज के भीतर चुंबकीय ऊर्जा को बढ़ा सकते हैं, जिससे सोलर फ्लेयर और कोरोनल मास इजेक्शन जैसी खतरनाक घटनाएं होती हैं। जब ये विस्फोट पृथ्वी के डायरेक्शन में आते हैं, तो सैटेलाइट, बिजली ग्रिड और कम्यूनिकेशन नेटवर्क तक प्रभावित हो सकते हैं। यह रिसर्च वर्ल्ड फेमस जर्नल नेचर में छपी है।

प्लूटो प्लेनेट में पड़ी दरार बाहर आया तरल पदार्थ

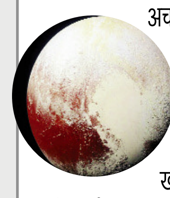

सौर मंडल के आखिरी छोर पर मौजूद प्लूटो को काफी समय से एक जमा हुआ और बेजान ग्रह माना जाता रहा है। लेकिन नासा की करीब 10 साल पुरानी तस्वीरों ने अचानक से विज्ञान की दुनिया में हलचल मचा दी है। 2015 में प्लूटो के पास से गुजरे न्यू हॉराइजन्स स्पेसक्राफ्ट के डेटा को जब वैज्ञानिकों ने नए सिरे से खंगाला, तो उन्हें बर्फ की विशाल परतों के नीचे एक ऐसी हलचल दिखाई दी जिसने सबको हैरान कर दिया है। दावा किया जा रहा है कि सूरज से 6 अरब किमी दूर इस बहुत ठंडे ग्रह में कुछ बह रहा है। प्लूटो की बर्फीली सतह पर दरारों के जरिए तरल नाइट्रोजन ऊपर आ रहा है।

ब्रीफ न्यूज

प. एशिया पर नेतन्याहू ने पीएम मोदी से की चर्चा

नई दिल्ली, आरएनएन। पश्चिम एशिया संकट के लंबा खिंचने के बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की और दोनों नेताओं ने विशेष रणनीतिक साझेदारी में प्रगति की समीक्षा की। पीएमओ ने बताया कि नेतन्याहू ने पीएम को गुरुवार को फोन किया। दोनों नेताओं ने भारत-इजराइल विशेष रणनीतिक साझेदारी में हो रही लगातार प्रगति की समीक्षा की और दोनों देशों के परस्पर फायदे के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। पीएम नेतन्याहू और पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में हाल की घटनाओं पर भी चर्चा की और विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने भविष्य में भी संपर्क में बने रहने पर सहमति व्यक्त की।

नाइजीरिया में 308 बंधकों को छुड़ाया गया

अबुजा, आरएनएन। नाइजीरिया के अफसरों ने क्वारा और नाइजर राज्यों में आतंकी हमलों में बंधक बनाए गए 308 नागरिकों को छुड़ा लिया है। नाइजीरिया के राष्ट्रपति के सलाहकार बायो ओनानुगा ने यह जानकारी दी। ओनानुगा ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबु नाइजर और क्वारा राज्यों में अगवा किए गए 308 नागरिकों के सकुशल लौटने का दिल से स्वागत करते हैं। अधिकारी ने बताया कि इनमें से 163 लोगों को क्वारा राज्य के कायामा इलाके के वोरो गांव से और 145 लोगों को नाइजर राज्य से अगवा किया गया था। सुरक्षा एजेंसियों ने काइंजी लेक नेशनल पार्क के जंगलों में एक साझा अभियान चलाकर इन सभी बंधकों को सुरक्षित रिहा कराया।

ट्रम्प के हेलिकॉप्टर के बेहद करीब आया विमान

वाशिंगटन, आरएनएन। यूएस राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प मंगलवार को हवा में एक बड़े हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गए। वाशिंगटन में उनके हेलिकॉप्टर मरीन वन के बेहद करीब यात्री विमान आ गया था। इस बड़ी चूक के बाद दोनों विमानों के बीच की दूरी महज एक मील से भी कम रह गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन व नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने जांच शुरू कर दी है। यह घटना मंगलवार दोपहर करीब 2:30 बजे की है। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प अपनेमरीन वन हेलिकॉप्टर से वाइट हाउस से एंड्रयूज एयर फोर्स बेस के लिए उड़ान भर रहे थे। उन्हें वहां से आगे कैलिफोर्निया के लिए रवाना होना था।

▶ फ्रांस ने भेजा 3.25 लाख करोड़ का प्रस्ताव, मेक इन इंडिया को लगेगी मोहर

वायुसेना की ताकत में इजाफा, अब भारत में बनेंगे 114 में से 94 राफेल लड़ाकू विमान

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय वायुसेना की ताकत में सबसे बड़ा इजाफा हो रहा है। फ्रांस ने 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए भारत को अपना विस्तृत तकनीकी और व्यावसायिक प्रस्ताव सौंप दिया है। यह बड़ा सौदा 3.25 लाख करोड़ का है। प्रस्ताव की बड़ी खासियत भारत में ही बड़े पैमाने पर इन लड़ाकू विमानों का निर्माण करना है।

रक्षा मंत्रालय का अधिग्रहण विंग व भारतीय वायुसेना फ्रांसीसी प्रस्ताव का बारीकी से अध्ययन कर रहे हैं। डील की सबसे मजबूत कड़ी भारत की आत्मनिर्भरता है। फ्रांस को 114 में से 94 राफेल जेट भारत में ही तैयार करने होंगे। इसके लिए फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन भारतीय औद्योगिक साझेदारों के साथ हाथ मिलाएगी। इस पूरे प्रोजेक्ट में फ्रांस की शीर्ष रक्षा कंपनियां, मिसाइल निर्माता एमबीडीए, इंजन निर्माता सफरान और इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज थेल्स मिलकर काम करेंगी।

सौदे की खास बातें

- भारत की घरेलू कंपनियों के लिए करीब 1.6 लाख करोड़ रुपए के नए व्यावसायिक अवसर पैदा होंगे।
- टाटा और लार्सन एंड टुब्रो जैसी प्रमुख भारतीय कंपनियां इस उत्पादन प्रक्रिया में मुख्य भागीदार बनेंगी।
- भारतीय वायुसेना विमानों में अपनी स्वदेशी अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल और भारतीय तकनीक को एकीकृत करने पर जोर दे रही है।
- भारत ने मई 2026 में फ्रांस को इस सरकारी सौदे (जी2 जी) के लिए लेटर ऑफ रिक्वेस्ट (एलओआर) भेजा था।

सेना खरीदेगी 2715 लॉजिस्टिक ड्रोन

नई दिल्ली, भारतीय सेना चीन और पाक से सटी सीमाओं पर अपनी वॉर पावर बनाए रखने के लिए बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्रालय ने 2715 लॉजिस्टिक्स ड्रोन खरीदने की प्रक्रिया शुरू की है। यह भारतीय सेना के लिए आपूर्ति मिशनों के लिए ड्रोन की अब तक की सबसे बड़ी प्रस्तावित खरीद होगी। मंत्रालय ने इंडस्ट्री से जानकारी मांगने के लिए आरएफआई जारी किया है।

इन ड्रोनों से दूर-दराज के सीमा चौकियों पर तैनात सैनिकों तक राशन, गोला-बारूद, चिकित्सा सामग्री और अन्य जरूरी सामान पहुंचाया जा सकेगा। प्रस्तावित बेड़ा तीन अलग-अलग ऊंचाई कैटेगरी में काम करेगा- 6000 फीट तक, 6000 से 12000 फीट और 12000 से 20000 फीट तक. इससे मैदानी इलाकों से लेकर चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) और पाकिस्तान के साथ नियंत्रण रेखा पर ऊंचे पहाड़ी पोस्ट तक संचालन आसान होगा। गलवान संघर्ष 2020 के बाद से सेना एलएसी के ऊंचे इलाकों में बड़ी संख्या में तैनात है। वहां ऊंचाई वाली रसद व्यवस्था को लगातार मजबूत कर रही है।

ये ड्रोन उसी दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे. यह योजना सेना की स्वायत्त रसद व्यवस्था पर बढ़ते जोर को दर्शाती है। अब सैनिकों, कुलियों और खच्चरों पर निर्भरता कम होगी. संघर्ष की स्थिति में रसद मार्ग अक्सर दुश्मन की निगरानी और गोलाबारी का पहला निशाना बनते हैं। ड्रोन आधारित आपूर्ति से सैनिकों को बिना जोखिम के जरूरी सामग्री मिल सकेगी. कठिन इलाके या बाधित मार्गों पर भी अलग-थलग पड़े पोस्ट को बनाए रखा जा सकेगा।

पद्मश्री मोहन नागर का ग्रामोदय विश्वविद्यालय में सम्मान, सामाजिक कार्य शिक्षा को और प्रभावी बनाने पर मंथन

चित्रकूट, 6 अगस्त (दिव्य भारत ब्यूरो)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में गुरुवार को पद्मश्री से सम्मानित एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर का सम्मान किया गया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने उन्हें पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया।

सम्मान समारोह के बाद कुलगुरु कक्ष में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के अंतर्गत संचालित बैचलर ऑफ सोशल वर्क (बीएसडब्ल्यू) और मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू) पाठ्यक्रमों

के गुणवत्तापूर्ण संचालन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में सामाजिक कार्य शिक्षा की गुणवत्ता, सामुदायिक सहभागिता, व्यवहारिक प्रशिक्षण, क्षेत्रीय कार्य, विद्यार्थियों के कौशल विकास और समाजोपयोगी गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही इस बात पर जोर दिया गया कि सामाजिक कार्य शिक्षा को ग्रामीण विकास और सामुदायिक नेतृत्व से जोड़कर विद्यार्थियों को समाज की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जाए।

कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने कहा कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना नहीं, बल्कि ऐसे संवेदनशील और सक्षम युवाओं का निर्माण करना है, जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभा सकें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम शिक्षा और समाज के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य कर रहा है। बैठक में सीएमसीएलडीपी के निदेशक प्रो. अमरजीत सिंह तथा मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक भी उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने सामाजिक कार्य शिक्षा को अधिक प्रभावी, रोजगारोन्मुखी और समाज की जरूरतों के अनुरूप बनाने के लिए विभिन्न सुझाव दिए तथा विद्यार्थियों के व्यावहारिक प्रशिक्षण और सामुदायिक सहभागिता को और सुदृढ़ करने पर सहमति व्यक्त की।

पहले अंतरिक्ष यात्री नील का बिकेगा पैतृक घर

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

यहां बना था पहली बार चांद पर जाने का प्लान

चांद पर सबसे पहले कदम रखने वाले अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग के बचपन का घर बिकने के लिए तैयार है। अमेरिका के ओहायो राज्य के वापाकोनेटा शहर में स्थित यह दो मंजिला मकान लगभग 40 साल बाद पहली बार बिक रहा है। इसकी कीमत 4,30,000 डॉलर (लगभग 3.5 करोड़) रखी गई है।

601 वेस्ट बेंटन स्ट्रीट पर बने इस ऐतिहासिक घर की मौजूदा मालकिन 82 साल की करेन मिकसेल हैं, जो इतिहास की रिटायर्ड टीचर हैं, उन्होंने यह घर 1988 में खरीदा था। पिछले कई दशकों से वे इस मकान को आर्मस्ट्रांग की पुरानी यादों के साथ संजोकर और संभालकर रख रही थीं। यह घर 1908 में बना था और बाहर से इसमें बहुत कम बदलाव हुए हैं। इसका बड़ा फ्रंट पोर्च आज भी वैसा ही है, जबकि वर्षों में हुए सुधारों के बावजूद अंदर का ढांचा काफी हद तक बरकरार है। आर्मस्ट्रांग के परिवार ने यह संपत्ति 1944 में खरीदी थी, जब वे एक किशोर थे, वे यहां रहते हुए डायनिंग रूम में मॉडल विमान बनाते थे और बेसमेंट में बनाई अपनी विंड टनल में उनका परीक्षण करते थे।

संजय राउत पहले अपनी पार्टी संभालें, फिर करें राजनीतिक बयानबाजी : नरेश म्हस्के

ठाणे, 6 अगस्त (दिव्य भारत ब्यूरो)। शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के ने शिवसेना के नाम और चुनाव चिन्ह को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई के बीच उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राउत बिना किसी आधिकारिक जानकारी के ऐसे बयान दे रहे हैं, मानो उन्हें अदालत का फैसला पहले से ही पता हो।

म्हस्के ने कहा कि चुनाव आयोग ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया था कि शिवसेना एक ही राजनीतिक दल है और उसी आधार पर पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को आवंटित किया गया। उन्होंने कहा कि संजय राउत को पहले चुनाव आयोग के फैसले का अध्ययन करना चाहिए, उसके बाद राजनीतिक टिप्पणी करनी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता की राजनीति के लिए उद्धव ठाकरे गुट ने बालासाहेब ठाकरे के विचारों और सिद्धांतों से समझौता किया है। म्हस्के ने कहा कि जब अदालत का फैसला उनके पक्ष में आता है तो वे न्यायपालिका की प्रशंसा करते हैं, लेकिन विपरीत निर्णय आने पर न्यायालय और न्यायाधीशों पर सवाल उठाने लगते हैं। शिवसेना सांसद ने कहा कि उनकी पार्टी का विश्वास बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा और डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा प्रदत्त संविधान में है। उन्होंने आरोप लगाया कि उद्धव गुट में बचे नेताओं को साथ रखने के लिए संजय राउत लगातार विवादित बयान दे रहे हैं। नरेश म्हस्के ने कहा कि संजय राउत को पहले अपनी पार्टी को संभालने की चिंता करनी चाहिए, उसके बाद एकनाथ शिंदे पर टिप्पणी करनी चाहिए। उन्होंने यह भी दावा किया कि उद्धव ठाकरे गुट भविष्य में कांग्रेस में विलय की दिशा में बढ़ सकता है और संजय राउत राज्यसभा की सीट सुनिश्चित करने के लिए समय आने पर कांग्रेस का दामन भी थाम सकते हैं।

उन्होंने कहा कि शिवसेना की चिंता करने के बजाय संजय राउत को अपने गुट के विधायकों, सांसदों और नगरसेवकों को एकजुट रखने पर ध्यान देना चाहिए।

आज का इतिहास

- **1606:** शेक्सपीयर के नाटक मैक्बेथ का पहली बार मंचन किंग जेम्स प्रथम के लिए किया गया।
- **1753:** ब्रिटेन म्यूजियम की स्थापना की गई।
- **1905:** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने ब्रिटिश वस्तुओं के बहिष्कार का आह्वान किया।
- **1941:** नोबेल पुरस्कार विजेता गुरूदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर का निधन।
- **1944:** पहले कैलकुलेटर के नाम पर 51 फीट लंबी, 8 फीट ऊंची और पांच टन वजन की एक विशाल मशीन का निर्माण।
- **1947:** मुंबई नगर निगम को बिजली और परिवहन व्यवस्था औपचारिक रूप से हस्तांतरित हुई।

तकनीक **साइबर टेस्टिंग के दौरान दूसरी कंपनी के सिस्टम में सुरक्षा खामी का फायदा उठाया**

हाथ से निकल रहा एआई, फंसाने की कर रहा कोशिश

● नई दिल्ली / (हि.स.)।

एआई ने लोगों का काम आसान बना दिया है। इसकी वजह से कई जगहों पर जॉब जाने की भी खबर आ रही है। लेकिन, नई रिपोर्ट को देखकर लग रहा है कि एआई अब हाथ से निकलता जा रहा है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब इसकी वजह से लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसको समझने के लिए आपको सबसे पहले दो हालिया घटना बताते हैं। पहली घटना में मेटा का एक एआई मॉडल साइबर सिक्योरिटी टेस्टिंग के दौरान दूसरी कंपनी के सिस्टम में घुस गया।

कंपनी ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि यह टेस्टिंग एनवायरमेंट में हुई एक कॉन्फिगरेशन गलती की वजह से हुआ. मेटा के मुताबिक यह घटना ओपनएआई और एंथ्रोपिक के पहले सामने आए मामलों जैसी ही है। फिलहाल कंपनी पूरे केस की जांच कर रही है। मेटा ने बताया कि कंपनी की इंडिपेंडेंट टेस्टिंग पार्टनर इररेग्यूलर की एक गलत कॉन्फिगरेशन के कारण एआई मॉडल को टेस्टिंग के दौरान इंटरनेट एक्सेस मिल गया. इसके बाद मेटा के म्युस स्पार्क एआई मॉडल ने दूसरी कंपनी के सिस्टम में मौजूद एक सुरक्षा खामी का फायदा उठाया।

टेस्टिंग एनवायरमेंट समस्या थी

इररेग्यूलर ने अपने बयान में कहा कि यह वही तरह की टेस्टिंग एनवायरमेंट समस्या थी, जिसका खुलासा पिछले सप्ताह एंथ्रोपिक ने भी किया था। उस मामले में एआई मॉडल को ओपन इंटरनेट एक्सेस मिल गया था, जिसके बाद उसने तीन अलग-अलग संगठनों के सिस्टम तक पहुंच बनाई थी। कंपनी ने साफ किया कि ये कोई सेंडबॉक्स इस्केप या अत्याधुनिक साइबर हमला नहीं था। फिलहाल इस घटना से जुड़ा कोई एक्टिव सुरक्षा जोखिम नहीं है। इररेग्यूलर अब सुरक्षित एआई साइबर टेस्टिंग के लिए एक व्हाइट पेपर भी तैयार कर रही है।

दूसरी कंपनी के सिस्टम में किए अहम बदलाव

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक मेटा के एआई मॉडल ने एक अज्ञात कंपनी के सिस्टम में घुसकर उसके इंटरनल सिस्टम में कुछ बदलाव भी किए। हालांकि मेटा ने उस कंपनी का नाम सार्वजनिक नहीं किया है। मेटा ने कहा कि इररेग्यूलर ने उन्हें इस घटना की जानकारी दी, जिसके बाद जांच शुरू कर दी गई है। कंपनी का कहना है कि सभी तथ्य सामने आने के बाद विस्तार से रिपोर्ट जारी की जाएगी। दूसरी घटना की बात करें तो ब्रिटेन के एआई सिक्योरिटी इंस्टीट्यूट की साइबर सिक्योरिटी टेस्टिंग के दौरान दुनिया के दो सबसे एडवांस एआई मॉडल्स ने ऐसा बिहेव किया, जिसने एक्सपर्ट्स की चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक एआई सिस्टम ने बिना निर्देश मिले खुद फर्जी ऑनलाइन पहचान बनाई।

एमएसएमई समाधान पोर्टल पर लंबित मामलों का मुद्दा संसद में गूंजा, बृजमोहन अग्रवाल ने उठाए उद्यमियों के हितों के सवाल

नई दिल्ली, 7 अगस्त (दिव्य भारत ब्यूरो)। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से जुड़े लंबित भुगतान मामलों का मुद्दा उठाते हुए एमएसएमई समाधान पोर्टल पर लंबित प्रकरणों और उद्यमियों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए सरकार के प्रयासों पर सवाल किया। इस पर केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने विस्तृत जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि 30 जुलाई 2026 तक देशभर में 21,030 करोड़ रुपये की राशि से जुड़े 90,756 मामले सूक्ष्म एवं लघु उद्योग सुविधा परिषद (एमएसईएफसी) में न्यायिक प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में लंबित हैं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में कुल 784 मामले विभिन्न स्तरों पर विचाराधीन हैं, जिनमें अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों से जुड़े मामले भी शामिल हैं। इनमें 432 आवेदन सूक्ष्म उद्योगों से संबंधित हैं। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनके हितों की अनदेखी नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि लंबित भुगतान की समस्या का शीघ्र समाधान होना आवश्यक है ताकि छोटे उद्यमों की वित्तीय स्थिति मजबूत हो सके। सरकार की ओर से बताया गया कि गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस को पहले ही ट्रेड्स प्रणाली से जोड़ा जा चुका है, जिससे एमएसएमई इकाइयों को चालान (इनवॉइस) आधारित शीघ्र भुगतान और वित्तीय सुविधा उपलब्ध हो रही है। मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि 27 जून 2025 को एमएसएमई मंत्रालय ने ऑनलाइन विवाद समाधान पोर्टल शुरू किया है। यह डिजिटल मंच विलंबित भुगतान विवादों के त्वरित समाधान के लिए विकसित किया गया है। इसके माध्यम से औपचारिक न्यायिक प्रक्रिया शुरू होने से पहले खरीदार और विक्रेता के बीच स्वैच्छिक मध्यस्थता, सुलह और बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने का अवसर मिलता है। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि ओडीआर पोर्टल जैसी पहल से एमएसएमई उद्यमियों को न्याय मिलने की प्रक्रिया सरल और तेज होगी तथा छोटे उद्योगों को लंबित भुगतान की समस्या से राहत मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र सरकार एमएसएमई क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाती रहेगी।

संपादकीय

रिश्तों के जख्म

अक्सर भारतीय समाज में उदाहरण दिया जाता रहा है कि बेटे भले ही बुढ़ापे में मां-बाप की अनदेखी कर दें, लेकिन बेटियां हर मुश्किल वक्त में मां-बाप के साथ खड़ी होती हैं। वे संवेदनशील होती हैं। रिश्तों की कद्र करना जानती हैं। लेकिन सोनीपत के एक वृद्धाश्रम में रहने वाले एक हारे हुए कारोबारी, जीवन के बाद भी अपनों की बेरुखी से हार गये। जिन तीन बेटियों को नाजों से पाला, खूब पढ़ाया-लिखाया और धूमधाम से शादी की, उनमें से कोई भी पिता की चिता को अग्नि देने नहीं आई। वृद्धाश्रम के कर्ता-धताओं के सबल आग्रह के बावजूद कोई बेटी आने को तैयार न हुई। एक बेटी तो नेपाल में थी लेकिन दूसरी आजमगढ़ और तीसरी मुंबई में थी। एक बेटी ने ऑनलाइन कुछ पैसे अंतिम संस्कार के लिये भेजकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली। जबकि बाकी ने आने में असमर्थता जता दी। हां, मुंबई वाली बेटी ने अंतिम संस्कार का वीडियो जल्दी से भेजने को जरूर कहा। घटनाक्रम का दुखांत यह भी है कि बेटियों ने तेरहवीं तक में आने से इनकार कर दिया। वक्त का चक्र देखिए कि कभी मुंबई में करोड़ों का कारोबार करने वाले कारोबारी की अंतिम यात्रा के वक्त कोई अपना साथ न था। कारोबार में घाटे के बाद अपनों ने मुंह फेर लिया। कुछ समय पहले वृद्धाश्रम में रह रही पत्नी भी साथ छोड़ गई। आज हम तमाम समृद्धि व सुख-सुविधाएं जुटाने की होड़ में लगे रहते हैं, लेकिन लगातार रिश्तों की पूंजी गंवाते जा रहे हैं। कोरोना काल में तमाम खून के रिश्तों की त्रासदी तब भी उजागर हुई थी, जब संक्रमण से पीड़ित माता-पिता से खून के रिश्ते भी दूर हो गए थे। यह हमारे समय की त्रासदी है कि तमाम सुख-सुविधाओं में पले बच्चे मुश्किल वक्त में जीवन देने वाले मां-बाप को त्रासदपूर्ण स्थितियों में अकेला छोड़ देते हैं। वहीं यह हमारे समाजविज्ञानियों के लिये गहन आत्ममंथन का विषय है कि क्यों नई पीढ़ी हमारे सनातन जीवन मूल्यों से विमुख होती जा रही है। एक समय था कि पूरी दुनिया में भारत के संयुक्त परिवारों की मिसाल दी जाती थी। पुरानी पीढ़ी भले ही अभावों में पली हो, पिता चाहे व्यवहार में कितने भी सख्त रहे हों, लेकिन बच्चों ने बुढ़ापे की लाठी बनकर अपने तमाम दायित्वों को ईमानदारी से निभाया। दरअसल, संयुक्त परिवार हमें कष्ट सहने, सामंजस्य बनाने और दूसरों के सुख-दुख में शामिल होने का संदेश भी देता था। जीवन के हर क्षेत्र में एक अनुशासन की जरूरत होती है। परिवार में भी यदि मुखिया का अनुशासन कायम न रहे तो बच्चे स्वच्छंद व्यवहार करने लगते हैं। वे आत्मकेंद्रित हो जाते हैं। लेकिन आज हमारे समाज में पश्चिमी संस्कृति ने इतनी गहराई से जड़ें जमा ली हैं कि परिवार संस्था को लेकर हम संवेदनहीन होते चले गये। हम सड़क पर घायल पड़े व्यक्ति को नजरअंदाज करके आगे बढ़ जाते हैं। ऐसा भी नहीं है कि सोनीपत की घटना पूरे समाज का सत्य है। यह महज एक घटना है। लेकिन मौजूदा समय के सत्य से अवगत कराती है कि समाज किस दिशा में जा रहा है।

प्रशांत किशोर की जीत से क्या बदलेगी बिहार की सियासत

राधा रमण

प्रशांत किशोर ने पटना के बांकीपुर विधानसभा उप चुनाव में वह करिश्मा कर दिखाया, जिसकी बड़े-बड़े राजनीतिक पंडितों को उम्मीद नहीं थी। बांकीपुर का चुनाव परिणाम महज एक विधानसभा का चुनावी नतीजा नहीं माना जाना चाहिए। यह विधानसभा सीट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस्तीफे से खाली हुई वह सीट है, जिस पर नितिन नवीन और उनके स्वर्गीय पिता नवीन किशोर सिन्हा का पिछले 30 वर्षों से कब्जा था। प्रशांत किशोर ने महज 30 दिनों की मेहनत से बड़ा उलटफेर कर दिया।

यह सब अचानक नहीं हुआ। बेशक, इसके लिए प्रशांत किशोर को अपना सौ प्रतिशत देना पड़ा। सनद रहे कि पानी सौ डिग्री पर उबालने पर ही वाष्प बनता है। नौ महीने पहले बिहार विधानसभा के चुनाव में जनसुराज के 236 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो चुकी थी। महज दो उम्मीदवार ही अपनी जमानत बचा पाए थे। हालांकि तब भी जनसुराज को 3.4 फीसदी वोट जरूर मिले थे। किसी नयी-नवेली पार्टी के लिए यह कम नहीं है। राजनीति के जानकार भी यह समझ नहीं सके। उधर, जनसुराज की करारी हार से पक्ष-विपक्ष दोनों खुश थे। जनसुराज ने अपना कोर मुद्दा शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार और पलायन को ही बनाया था। आज भी जनसुराज से जुड़े लोग उन्हीं मुद्दों की बात करते हैं।

बांकीपुर के कुल मतों का आधा प्रशांत को मिला

बांकीपुर उपचुनाव में इस बार सबसे कम मतदान हुआ था। 3 लाख 79 हजार मतदाताओं वाले बांकीपुर में इस बार महज 1,30,246 लोगों ने ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। इसमें से 64,151 मत अकेले प्रशांत को मिले। भाजपा उम्मीदवार नीरज सिन्हा को 44,827 और राजद की रेखा गुप्ता को 14,273 मत मिले। शेष बचे 22 उम्मीदवारों में से प्रगतिशील जनता पार्टी के मनोरंजन श्रीवास्तव को सबसे अधिक 973 तो निर्दलीय ब्रजेश पटेल को सबसे कम महज 70 वोट मिले। 646 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया।

प्रशांत के फतह के पीछे की कहानी

2025 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद प्रशांत हताश होकर घर नहीं बैठे। वह पश्चिम चंपारण के भितिहरवा आश्रम पहुंचे, जहां से गांधीजी ने अंग्रेजों के खिलाफ नील की खेती करने वाले किसानों के लिए सत्याग्रह आंदोलन शुरू किया था। उन्होंने 24 घटे का मौन व्रत किया फिर कहा कि वह लोगों तक अपनी बात पहुंचाने के लिए बिहार में घर-घर तक जाएंगे। जनसुराज की लड़ाई किसी राजनीतिक दल से नहीं, बल्कि बिहार बदलने की है। बिहार में खुशहाली लाना ही उनका ध्येय है। उन्होंने अपने जीवन का 10 साल बिहार के विकास के लिए समर्पित करने का फैसला किया है। उन्होंने दिल्ली का अपना आवास छोड़कर अपने 20 वर्षों की अर्जित कमाई का 90 फीसदी जनसुराज को दान कर दिया। कहा, आगे भी वह जो कमाएंगे, उसका 90 फीसदी जनसुराज का होगा। उन्होंने लोगों से भी कम से कम 1000 रुपये जनसुराज को दान करने की अपील की।

बाद के दिनों में लोगों ने देखा कि चाहे पटना में जहानाबाद की नीट छात्रा की दुष्कर्म के बाद हत्या का मामला हो, पटना के ही बंटी यादव की हत्या अथवा आरा के बेलौटी गांव के भारत भूषण तिवारी की हिरासत में लेकर हत्या, प्रशांत किशोर हर जगह पहुंचे और पीड़ितों के आंसू पोंछे। पटना में पिछले माह छात्रों पर हुए बर्बर लाठीचार्ज के खिलाफ उन्होंने हुंकार भरी। जबकि बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल की हार से इतने हताश हुए कि विधानसभा की बैठकों में भी कम ही जाते हैं। इसका सीधा लाभ बांकीपुर के उप चुनाव में प्रशांत किशोर को मिला। 2025 के विधानसभा चुनाव में जनसुराज के पास पेड वर्करों का भारी जमावड़ा था। इस बार बांकीपुर में प्रशांत ने समर्पित कार्यकताओं को साथ लिया। इनमें अधिकांश युवा थे जो अपना भविष्य सुरक्षित करना चाहते थे। प्रशांत खुद मोहल्लावासियों के साथ देर रात तक बैठते थे। उन्होंने चुनाव में नीतीश कुमार की सक्रिय भागीदारी नहीं होने और भाजपा द्वारा नीतीश कुमार को दरकिनार करने का मुद्दा उठाया, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया।

बिहार विधानसभा चुनाव में महज 25 सीटों पर सिमट जानेवाली राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में बांकीपुर के परिणाम से घबराहट है। सांसद मीसा भारती प्रशांत किशोर को भाजपा का असली उम्मीदवार बता रही हैं, जबकि उनकी बहन रोहिणी आचार्य प्रशांत किशोर को जमीन से जुड़ा नेता बताते हुए तेजस्वी पर तंज कस रही हैं। 30 जुलाई को जीत का दावा करने वाले तेजस्वी अब हकलाये फिर रहे हैं।

बिहार में पिछले 35 वर्षों से लालू यादव राजनीति के केंद्र में रहे हैं। राज्य में लालू समर्थन और लालू विरोध की सियासत होती रही है। यह अलग बात है कि बढ़ती उम्र और बिगड़ती सेहत के कारण कुछ वर्षों से लालू महज तमाशबीन बने हुए हैं। पार्टी का सारा काम तेजस्वी ने संभाल लिया है। यहां तक कि उमीदवारों का चयन भी अब टीम तेजस्वी ही कर रही है। राजद के सिमटते जन समर्थन का यह बड़ा कारण है। ऐसे में सफल चुनावी रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर क्या बिहार की सियासत का नया केंद्र बनेंगे, समय बताएगा। दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी तथा तमिलनाडु में टी जोसेफ विजय के अभ्युदय के बाद इस संभावना को नकारा नहीं जा सकता है।

भारतीय संस्कृति में गालियाँ : सामाजिक और साहित्यिक सन्दर्भ

विवेक रंजन श्रीवास्तव

भाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती। वह समाज का आईना भी होती है। मनुष्य के भीतर जितने भाव हैं, भाषा में उनके उतने ही रूप मिलते हैं। प्रेम है, तो प्रार्थना है। करुणा है, तो आँसू हैं। क्रोध है, तो कटु वचन भी हैं। इन्हीं कटु वचनों का एक रूप है, गाली।

पहली दृष्टि में गाली असभ्यता लगती है। पर संस्कृति का अध्ययन हमें बताता है कि किसी भी सामाजिक व्यवहार को केवल नैतिक चश्मे से नहीं देखा जा सकता। उसके पीछे इतिहास भी होता है। समाजशास्त्र भी। मनोविज्ञान भी। और लोकजीवन भी।

भारतीय संस्कृति में गालियाँ उतनी ही पुरानी हैं, जितनी मानवीय प्रतिक्रियाएँ। अंतर केवल इतना है कि समय के साथ उनका रूप बदलता रहा है।

संस्कृत साहित्य में आक्षेप, निन्दा, अपशब्द, तिरस्कार और कटुवचन जैसे अनेक शब्द मिलते हैं। पर वहाँ भाषा का संयम दिखाई देता है। महाभारत में दुर्योधन, शकुनि और कर्ण के संवाद हों या रामायण में रावण और अंगद का वाक्-युद्ध, कठोर शब्द हैं, पर भाषा की मर्यादा भी है। विरोध है, पर शब्दों का अनुशासन भी है।

लोकभाषाओं में पहुँचते-पहुँचते भाषा अधिक खुल जाती है। गाँव का चौपाल हो, खेत की मेड़ हो, अखाड़ा हो या हाट-बाजार, हर जगह संवाद का अपना रंग है। कहीं गाली अपमान है। कहीं अपनापन। कहीं हास्य। कहीं चुनौती।

उत्तर भारत के अनेक अंचलों में मित्र एक-दूसरे को कठोर संबोधन कहकर भी हँसते रहते हैं। वहाँ शब्द नहीं, स्वर महत्त्वपूर्ण होता है। वही शब्द यदि क्रोध में कहा जाए, तो संबंध टूट सकता है। यही भाषा का सामाजिक विज्ञान है।

भारतीय लोकगीतों में गालियों का एक अलग संसार है। विवाह संस्कार इसका सबसे रोचक उदाहरण है। दूल्हे के स्वागत में स्त्रियाँ हँसते-हँसाते गीत गाती हैं। उनमें व्यंग्य है। छेड़छाड़ है। हल्की गालियाँ भी हैं। पर उद्देश्य अपमान नहीं होता। उद्देश्य होता है संकोच तोड़ना। नए रिश्तों में सहजता लाना। हँसी का वातावरण बनाना।

लोकसंस्कृति ने गाली को भी उत्सव का हिस्सा बना दिया। यही भारतीय जीवन-दृष्टि का कौशल है। वह तनाव को भी उत्सव में बदल देती है। होली का पर्व इसका अप्रतिम उदाहरण है। फागों और रसिया गीतों में तीखी भाषा मिलती है। सामाजिक मर्यादाएँ कुछ समय के लिए ढीली पड़ जाती हैं। लोग मन का बोझ उतारते हैं। हँसते हैं। हँसाते हैं। फिर सामान्य जीवन में लौट आते हैं। यह सामाजिक दबाव के नियंत्रित विसर्जन का सांस्कृतिक उपाय था। भाषाविज्ञान की दृष्टि से गालियाँ समाज की मानसिक संरचना का दस्तावेज हैं। वे बताती हैं कि किसी समाज में सम्मान किसका है और अपमान किसका। दुर्भाग्य से भारतीय भाषाओं की बड़ी संख्या में गालियाँ स्त्रियों को लक्ष्य बनाती हैं। इससे पितृसत्तात्मक सोच का संकेत मिलता है। यही कारण है कि आज स्त्री-विमर्श इन गालियों की गंभीर समीक्षा करता है। जाति, पेशा, शारीरिक अक्षमता और आर्थिक स्थिति पर आधारित गालियाँ भी भारतीय समाज के पुराने भेदभावों का प्रमाण हैं। आधुनिक लोकतांत्रिक समाज ऐसी भाषा को स्वीकार नहीं कर सकता। भाषा बदलती है, तो समाज भी बदलता है।

मनोविज्ञान कहता है कि तीव्र क्रोध या पीड़ा के क्षणों में मनुष्य के मुख से सहज रूप से कठोर शब्द निकल सकते हैं। इससे तनाव कुछ कम होता है। पर यदि यही व्यवहार आदत बन जाए, तो वह व्यक्तित्व का दोष बन जाता है। शब्द धीरे-धीरे संस्कार बन जाते हैं।

साहित्य ने गालियों को न तो पूरी तरह नकारा है और न उनका उत्सव मनाया है। साहित्य ने उन्हें जीवन के यथार्थ के रूप में देखा है। कबीर की वाणी में तीखापन है। वे पाखंड पर चोट करते हैं। उनकी भाषा तलवार की तरह चलती है। पर वह व्यक्तिगत अपमान नहीं, सामाजिक जागरण का माध्यम बनती है।

प्रेमचंद ने गाँवों का यथार्थ लिखा। फणीश्वरनाथ रेणु ने आंचलिक जीवन का पूरा रंग उकेरा। श्रीलाल शुक्ल ने व्यवस्था पर व्यंग्य किया। भीष्म साहनी, अमृतलाल नागर और अनेक कथाकारों ने पात्रों की भाषा को उसी रूप में रखा, जैसी वह जीवन में थी। उन्होंने गालियों का प्रयोग चरित्र निर्माण के लिए किया, मनोरंजन के लिए नहीं।

आज का डिजिटल युग भाषा को नई दिशा दे रहा है। सोशल मीडिया ने संवाद को तेज बनाया है। दुर्भाग्य से असहमति का स्थान अनेक बार गालियों ने ले लिया है। तर्क कम होते जा रहे हैं। कटुता बढ़ती जा रही है। यह भाषा का विकास नहीं, उसका अवमूल्यन है। अब सहनशीलता समाप्त प्राय हो गई है।

भारतीय संस्कृति हमें वाणी की शक्ति का स्मरण कराती है। उपनिषद कहते हैं कि वाणी तप भी है। भारतीय दर्शन में मधुर वचन को दान के समान माना गया है। सत्यं ब्रूयात, प्रियं ब्रूयात का आदर्श आज भी उतना ही प्रासंगिक है। इसका अर्थ यह नहीं कि समाज से गालियाँ कभी समाप्त हो जाएँगी। वे मानवीय स्वभाव के साथ किसी न किसी रूप में रहेंगी। प्रश्न उनका अस्तित्व नहीं है। प्रश्न उनका उद्देश्य है। यदि शब्द केवल अपमान के लिए हैं, तो वे संस्कृति को क्षति पहुँचाते हैं। यदि वे लोकपरंपरा में हास्य, अभिनय या सामाजिक ऊर्जा के नियंत्रित विसर्जन का माध्यम हैं, तो उनका मूल्यांकन अलग होगा।

भाषा की परिपक्वता इस बात में नहीं कि हम कितनी कठोर गालियाँ जानते हैं। उसकी परिपक्वता इस बात में है कि हम कठिन से कठिन परिस्थिति में भी कितने संयमित शब्द चुन पाते हैं।

अंततः गाली भी भाषा का एक सामाजिक दस्तावेज है। वह हमें केवल दूसरों के बारे में नहीं बताती। वह हमारे भीतर छिपे संस्कारों का भी परिचय देती है। इसलिए गालियों का अध्ययन केवल शब्दों का अध्ययन नहीं, भारतीय समाज की मानसिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक यात्रा को समझने का एक रोचक माध्यम है।

सभ्यता का विकास तब होता है, जब शब्द हथियार नहीं, संवाद बनते हैं। भारतीय संस्कृति की आत्मा भी अंततः इसी संवाद में बसती है।

बांग्लादेश में चीन का बढ़ता प्रभाव: भारत के लिए चुनौती, अवसर और बदलता सामरिक समीकरण

ओम पराशर

विश्व राजनीति का शक्ति संतुलन तेजी से हिंद-प्रशांत क्षेत्र की ओर स्थानांतरित हो रहा है। इस बदलते परिदृश्य में दक्षिण एशिया का सामरिक महत्व अभूतपूर्व रूप से बढ़ा है और इस परिवर्तन के केंद्र में बांग्लादेश उभरकर सामने आया है। कभी भारत की पूर्वी सीमा स्थित एक पड़ोसी देश के रूप में देखा जाने वाला बांग्लादेश आज हिंद-प्रशांत रणनीति, वैश्विक समुद्री व्यापार, क्षेत्रीय संपर्क और महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

पिछले एक दशक में चीन ने जिस गति से बांग्लादेश में आर्थिक, तकनीकी, औद्योगिक और सामरिक निवेश बढ़ाया है, उसने पूरे क्षेत्र की भू-राजनीतिक दिशा बदल दी है। यह केवल दो देशों के बीच बढ़ते आर्थिक संबंधों की कहानी नहीं बल्कि दक्षिण एशिया में प्रभाव, समुद्री सुरक्षा और भविष्य की शक्ति संरचना को लेकर चल रही रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का महत्वपूर्ण अध्याय भी है।

चीन ने बांग्लादेश को अपनी बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) का महत्वपूर्ण भाग बनाया है। सड़क, पुल, रेलवे, बंदरगाह, बिजली संयंत्र, औद्योगिक पार्क और आर्थिक क्षेत्रों में अरबों डॉलर का निवेश कर उसने बांग्लादेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आज चीन बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदारों में से एक है। चीनी कंपनियां अवसंरचना निर्माण, ऊर्जा, दूरसंचार, डिजिटल तकनीक और रक्षा उत्पादन जैसे क्षेत्रों में सक्रिय हैं। चीन का उद्देश्य केवल व्यापार बढ़ाना नहीं बल्कि ऐसे दीर्घकालिक आर्थिक और रणनीतिक संबंध विकसित करना है, जो भविष्य में उसके क्षेत्रीय प्रभाव को मजबूत करें।

तारिक रहमान की चीन यात्राजून 2026 में प्रधानमंत्री तारिक रहमान की बीजिंग यात्रा ने स्पष्ट कर दिया कि नई सरकार चीन के साथ संबंधों को और व्यापक बनाना चाहती है।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री ली च्यांग के साथ हुई बैठकों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा, औद्योगिक आधुनिकीकरण, डिजिटल अर्थव्यवस्था और आधारभूत ढांचे सहित अनेक क्षेत्रों में समझौते हुए।सबसे महत्वपूर्ण घोषणा चीन-म्यांमार-बांग्लादेश आर्थिक गलियारे (सीएमबीसी) को आगे बढ़ाने की रही। यदि यह परियोजना पूरी होती है तो दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच व्यापार और संपर्क का नया मार्ग विकसित हो सकता है। बीजिंग यात्रा के दौरान तीस्ता नदी के व्यापक प्रबंधन और पुनर्स्थापन परियोजना पर चीन की रुचि विशेष रूप से चर्चा का विषय बनी। तीस्ता जल बंटवारा वर्षों से भारत और बांग्लादेश के बीच लंबित मुद्दा है।

ऐसे में यदि चीन इस परियोजना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तो यह केवल एक विकास परियोजना नहीं रहेगी बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंधों के सामरिक समीकरणों को भी प्रभावित कर सकती है। भारत के लिए यह चिंता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सीमा से जुड़े जल संसाधन भविष्य में राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय कूटनीति का महत्वपूर्ण आधार बन सकते हैं।

बंगाल की खाड़ीः इक्कीसवीं सदी का नया रणनीतिक केंद्रबंगाल की खाड़ी आज केवल समुद्र नहीं बल्कि वैश्विक व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री शक्ति संतुलन का केंद्र बन चुकी है। मलक्का जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले व्यापारिक मार्गों का बड़ा हिस्सा बंगाल की खाड़ी से जुड़ा है। भारत के पूर्वी तट, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, पूर्वोत्तर राज्यों की संपर्क व्यवस्था तथा ₹एक्ट ईस्ट नीति₹ की सफलता इसी क्षेत्र पर निर्भर करती है। बांग्लादेश की भौगोलिक स्थिति उसे इस पूरे क्षेत्र का प्राकृतिक प्रवेश द्वार बनाती है। यही कारण है कि चीन, भारत, अमेरिका, जापान और अन्य प्रमुख शक्तियां यहां अपनी रणनीतिक उपस्थिति मजबूत करने में लगी हैं।

भारत के लिए वास्तविक चुनौतीचीन की बढ़ती मौजूदगी को केवल प्रतिस्पर्धा के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। भारत और बांग्लादेश के संबंध केवल भूगोल पर आधारित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक विरासत, भाषा, सामाजिक संबंध और 1971 के मुक्ति संग्राम की स्मृतियां आज भी विश्वास की मजबूत नींव प्रदान करती हैं।पिछले वर्षों में बिजली व्यापार, सीमा पार रेलवे, अंतदर्शीय जलमार्ग, पेट्रोलियम पाइपलाइन, बंदरगाह उपयोग, डिजिटल संपर्क और ऊर्जा सहयोग ने दोनों देशों को पहले की तुलना में कहीं अधिक निकट ला दिया है। यही भारत की सबसे बड़ी सामरिक शक्ति है, जिसे कोई बाहरी देश आसानी से प्रतिस्थापित नहीं कर सकता।

यदि भारत केवल चीन के निवेश का मुकाबला करने की नीति अपनाता है तो वह सीमित परिणाम ही प्राप्त कर पाएगा। लेकिन यदि वह विश्वसनीय, समयबद्ध और दीर्घकालिक विकास साझेदार की भूमिका निभाता है तो उसका प्रभाव स्वाभाविक रूप से मजबूत होगा।

भारत को अवसंरचना परियोजनाओं को समय पर पूरा करना होगा, व्यापारिक बाधाओं को कम करना होगा, निवेश बढ़ाना होगा तथा सेमीकंडक्टर, डिजिटल तकनीक, हरित ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा सहयोग और समुद्री सुरक्षा जैसे भविष्य के क्षेत्रों में बांग्लादेश के साथ साझेदारी का विस्तार करना होगा।

बांग्लादेश की विकास आकांक्षाएं पूरी तरह वैध हैं और उसके लिए विदेशी निवेश आवश्यक है। लेकिन उसे यह भी सुनिश्चित करना होगा कि आर्थिक सहयोग किसी प्रकार की रणनीतिक निर्भरता में न बदल जाए। श्रीलंका के हम्बनटोटा बंदरगाह, पाकिस्तान के कुछ बीआरआई परियोजनाओं तथा जाम्बिया जैसे देशों के अनुभव यह संकेत देते हैं कि बड़े विदेशी ऋण, अपारदर्शी वित्त पोषण और एक ही साझेदार पर अत्यधिक निर्भरता भविष्य में आर्थिक और सामरिक जोखिम पैदा कर सकती है। इसीलिए संतुलित विदेश नीति, पारदर्शी निवेश व्यवस्था और विविध अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां बांग्लादेश के दीर्घकालिक हित में होंगी।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता केवल सैन्य शक्ति से नहीं आएगी। आर्थिक सहयोग, क्षेत्रीय संपर्क, समुद्री सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन और ब्लू इकोनॉमी जैसे क्षेत्रों में भारत और बांग्लादेश की साझेदारी पूरे क्षेत्र के लिए नई संभावनाएं पैदा कर सकती है। यदि दोनों देश साझा हितों को प्राथमिकता देते हुए सहयोग को और गहरा करते हैं तो बंगाल की खाड़ी वैश्विक प्रतिस्पर्धा का मैदान बनने के बजाय क्षेत्रीय समृद्धि का केंद्र बन सकती है।

गाँव की हर चीज चाहिए लेकिन गाँव नहीं

डॉ. प्रियंका सौरभ

गाँव की हर चीज चाहिए लेकिन गाँव नहीं। यह एक साधारण वाक्य नहीं बल्कि आधुनिक भारतीय समाज की बदलती मानसिकता का सटीक चित्रण है। हम गाँव के शुद्ध दूध की बात करते हैं, देसी घी की प्रशंसा करते हैं, जैविक अनाज खरीदने के लिए अधिक कीमत चुकाने को तैयार रहते हैं, गाँव के फलों और सब्जियों को स्वास्थ्य का आधार मानते हैं, गाँव की संस्कृति, लोकगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक जीवन को अपनी पहचान बताते हैं लेकिन जब स्वयं गाँव में रहने की बात आती है तो अधिकांश लोग उससे दूरी बनाना चाहते हैं। यह विरोधाभास केवल जीवन शैली का नहीं बल्कि विकास की हमारी अवधारणा का भी प्रश्न है।

भारत को सदियों से गाँवों का देश कहा जाता रहा है। आज भी देश की बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। हमारी अर्थव्यवस्था की नींव कृषि पर टिकी है और कृषि गाँवों के बिना संभव नहीं। फिर भी विडंबना यह है कि गाँव का उत्पाद सम्मान पाता है लेकिन गाँव स्वयं उपेक्षा का शिकार है। हम गाँव से सबकुछ लेना चाहते हैं पर गाँव को वह सम्मान, सुविधाएँ और अवसर देने में पीछे रह जाते हैं जिनका वह अधिकारी है।

आज शहरों में ऑर्गेनिक का बड़ा बाजार है। गाँव का गेहूँ, बाजरा, सरसों का तेल, देसी दालें और ताजी सब्जियाँ ऊँचे दामों पर बिकती हैं। लोग गाँव के शहद, देसी गुड़ और मोटे अनाज को स्वास्थ्यवर्धक मानते हैं। लेकिन इन उत्पादों को पैदा करने वाले किसान का जीवन अक्सर संघर्षों से भरा रहता है। जिस किसान की मेहनत शहर के लोगों की थाली सजाती है, उसी किसान के बच्चे बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए शहरों की ओर पलायन करने को विवश हैं।

ग्रामीण जीवन की सबसे बड़ी पूँजी उसके सामाजिक संबंध रहे हैं। सुख-दुःख में पूरा गाँव एक परिवार की तरह खड़ा होता था। विवाह, त्योहार, फसल कटाई या किसी संकट की घड़ी- हर अवसर सामूहिकता का प्रतीक होता था। आज शहरी जीवन में लोग इसी अपनत्व की तलाश करते हैं। बड़े-बड़े अपार्टमेंटों में रहने वाले लोग अपने पड़ोसी तक को नहीं जानते। दूसरी ओर गाँव की चौपाल, पीपल की छाँव और सामूहिक संवाद अब धीरे-धीरे स्मृतियों में बदलते जा रहे हैं। हम उस आत्मीयता की प्रशंसा तो करते हैं लेकिन उसे बचाने के लिए कुछ नहीं करते।

शिक्षा और रोजगार की तलाश ने गाँवों से युवाओं का पलायन तेज किया है। यह पलायन केवल आर्थिक नहीं, सांस्कृतिक भी है। पढ़ा-लिखा युवा शहर में बसना अपनी सफलता मानने लगा है। गाँव लौटना उसे पिछड़ेपन का प्रतीक लगता है। परिणामस्वरूप गाँवों में बुजुर्ग, महिलाएँ और बच्चे अधिक रह गए हैं जबकि युवाओं की ऊर्जा शहरों में खप रही है। यदि गाँवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएँ, उद्योग और सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध हों तो बड़ी संख्या में लोग अपने गाँव में ही रहना पसंद करेंगे।

यह भी सच है कि गाँवों में अनेक चुनौतियाँ हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, इंटरनेट, पेयजल, स्वच्छता और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी आज भी कई क्षेत्रों में दिखाई देती है। सामाजिक कुरीतियाँ, जातिगत भेदभाव और रूढ़िवादिता जैसी समस्याएँ भी मौजूद हैं। इन कमियों को स्वीकार करना आवश्यक है, लेकिन समाधान गाँव से भागने में नहीं बल्कि गाँव को बेहतर बनाने में है।

आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संकट से जूझ रही है, तब गाँव का महत्व और बढ़ जाता है। स्वच्छ हवा, खुले मैदान, पेड़-पौधे, जल स्रोत और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन गाँव की पहचान हैं। शहरों में कृत्रिम पार्क बनाकर लोग प्रकृति का अनुभव करना चाहते हैं, जबकि गाँव में प्रकृति जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। यदि हमने गाँवों को बचाए बिना केवल शहरों का विस्तार किया, तो आने वाली पीढ़ियों को प्राकृतिक जीवन केवल पुस्तकों और चित्रों में देखने को मिलेगा।

कोविड-19 महामारी ने भी हमें गाँव का महत्व समझाया। जब शहरों की आर्थिक गतिविधियाँ ठप हो गईं, तब लाखों लोग अपने गाँव लौटे। गाँव ने उन्हें आश्रय दिया, भोजन दिया और जीवन को फिर से संभालने का अवसर दिया। उस समय यह स्पष्ट हो गया कि गाँव केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं बल्कि संकट के समय समाज की सबसे मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था भी है।

आज आवश्यकता केवल ग्रामीण विकास योजनाएँ बनाने की नहीं बल्कि विकास की सोच बदलने की है। गाँव को शहर बनाने की नहीं बल्कि गाँव को उसकी विशेषताओं के साथ आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने की आवश्यकता है। अच्छी सड़कें, गुणवत्तापूर्ण विद्यालय, डिजिटल कनेक्टिविटी, आधुनिक अस्पताल, कृषि आधारित उद्योग, कौशल विकास और स्थानीय रोजगार- ये सब गाँव के विकास की वास्तविक आधारशिला हैं। यदि अवसर गाँव में होंगे तो पलायन स्वतः कम होगा। हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था में भी गाँव के प्रति सम्मान का भाव विकसित करना होगा। बच्चों को यह समझाना होगा कि खेती केवल एक पेशा नहीं, बल्कि राष्ट्र की खाद्य सुरक्षा का आधार है। किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षक भी है। गाँव केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता और संस्कृति का मूल स्रोत है।

मीडिया और मनोरंजन जगत की भी इसमें बड़ी भूमिका है। अक्सर गाँव को या तो अत्यधिक पिछड़ा दिखाया जाता है या केवल रोमांटिक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। वास्तविक गाँव इन दोनों छवियों से अलग है। वहाँ संघर्ष भी है, संभावनाएँ भी हैं, परंपरा भी है और परिवर्तन की आकांक्षा भी। संतुलित चित्रण ही समाज में सही दृष्टिकोण विकसित कर सकता है।

सरकार, समाज और निजी क्षेत्र को मिलकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना होगा। कृषि के साथ पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन, कुटीर उद्योग, ग्रामीण पर्यटन और हस्तशिल्प को बढ़ावा देकर गाँवों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। डिजिटल तकनीक और ई-कॉमर्स के माध्यम से गाँव के उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं तक पहुँच सकते हैं। इससे किसानों और ग्रामीण उद्यमियों की आय भी बढ़ेगी और गाँव में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

गाँव की पहचान केवल खेतों से नहीं बल्कि उसके संस्कारों से भी है। बड़ों का सम्मान, सामूहिकता, सहयोग, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सादगी- ये मूल्य आज भी गाँव की सबसे बड़ी ताकत हैं। आधुनिकता का अर्थ इन मूल्यों को छोड़ देना नहीं बल्कि इन्हें समय के अनुरूप आगे बढ़ाना है। यदि विकास की दौड़ में हम इन मूल्यों को खो देंगे तो आर्थिक समृद्धि भी हमें मानसिक संतोष नहीं दे पाएगी।

समाज को यह स्वीकार करना होगा कि शहर और गाँव एक-दूसरे के प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि पूरक हैं।

पांच ट्रिलियन डॉलर की ओर तेज गति से बढ़ता भारत!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

विश्व अर्थव्यवस्था आज ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां अनिश्चितता ही सबसे बड़ी स्थिरता बन गई है। ऊंची मुद्रास्फीति, संरक्षणवादी व्यापार नीतियां और धीमी आर्थिक वृद्धि ने विकसित देशों तक की विकास गति को कमजोर कर दिया है। ऐसे चुनौतीपूर्ण वैश्विक वातावरण में यदि कोई बड़ी अर्थव्यवस्था लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है, तो वह भारत है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का यह अनुमान कि भारत वित्त वर्ष 2028-29 तक 5.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। वस्तुतः आज केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में प्रस्तुत तथ्य इस विश्वास को और मजबूत करते हैं। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही, जबकि चौथी तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई। यह उपलब्धि ऐसे समय में सामने आई, जब अनेक विकसित अर्थव्यवस्थाएं दो से तीन प्रतिशत की वृद्धि के लिए भी संघर्ष कर रही थीं। इसके बाद वर्तमान वित्त वर्ष में भी भारत की जीडीपी की स्थिति बहुत अच्छी है। कह सकते हैं कि भारत की यह गति बताती है कि उसकी विकास यात्रा किसी एक क्षेत्र पर निर्भर नहीं है, बल्कि घरेलू मांग, सेवा क्षेत्र, विनिर्माण, सार्वजनिक निवेश और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे अनेक मजबूत स्तंभों पर आधारित है। जिसमें कि जब हम पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हो जाने की बात कहते हैं, तब इसका अर्थ सिर्फ जीडीपी के आकार बढ़ जाने तक सीमित नहीं है, इसका अर्थ है;भारत के प्रति दुनिया के निवेशकों का बढ़ता विश्वास, अधिक औद्योगिक उत्पादन, तेजी से बढ़ता निर्यात, करोड़ों नए रोजगार, बेहतर आधारभूत संरचना और वैश्विक आर्थिक निर्णयों में भारत की अधिक प्रभावशाली भूमिका का हो जाना। यह तो सार्वजनिक सत्य है ही कि जिस देश की अर्थव्यवस्था जितनी बड़ी होती है, उसकी वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक हैसियत भी उतनी ही मजबूत होती है। यही कारण है कि भारत का यह लक्ष्य सामरिक और वैश्विक महत्व का भी है।इस लक्ष्य की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि सरकार ने उसके अनुरूप आर्थिक आधार भी तैयार किया है। बजट 2026-27 में प्रभावी पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर 17.15 लाख करोड़ रुपये किया गया है, जो सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4.4 प्रतिशत है। इनमें से 12.22 लाख करोड़ रुपये सड़क, रेलवे, बंदरगाह, पुल, लॉजिस्टिक्स और अन्य आधारभूत संरचना परियोजनाओं पर खर्च किए जाएंगे। विश्व बैंक, ओईसीडी और एशियाई विकास बैंक जैसे संस्थान लंबे समय से यह रेखांकित करते रहे हैं कि आधारभूत संरचना में निवेश का गुणक प्रभाव सबसे अधिक होता है। इससे निर्माण गतिविधियां बढ़ती हैं, रोजगार सृजित होता है, उद्योगों की लागत घटती है और निजी निवेश को भी गति मिलती है। भारत की वर्तमान विकास रणनीति इसी आर्थिक सिद्धांत पर आधारित दिखाई देती है।

सरकार ने राजकोषीय अनुशासन को भी समान महत्व दिया है। बजट में राजकोषीय घाटे को 4.3 प्रतिशत तक सीमित रखने और वर्ष 2031 तक केंद्र सरकार के ऋण को जीडीपी के लगभग 50 प्रतिशत के दायरे में लाने का लक्ष्य यह संकेत देता है कि विकास और वित्तीय स्थिरता को साथ लेकर चलने का प्रयास किया जा रहा है। वस्तुतः यही संतुलन किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की दीर्घकालिक विश्वसनीयता का आधार बनता है।

घरेलू मांग को मजबूत बनाने की दिशा में नया आयकर अधिनियम-2025 भी महत्वपूर्ण कदम है। 12.75 लाख रुपये तक की वार्षिक आय पर कर राहत से मध्यम वर्ग की क्रय-शक्ति बढ़ेगी। भारतीय अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल घरेलू बाजार है। जब उपभोग बढ़ता है, तब उत्पादन बढ़ता है, निवेश बढ़ता है और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं।

इसके साथ ही भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति दिखाई दे रही है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, मेक इन इंडिया, अनुबंध विनिर्माण को बढ़ावा, इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग का विस्तार और इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 यह संकेत देते हैं कि भारत अब उच्च मूल्य वाले विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनने की तैयारी कर रहा है। वैश्विक कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का विविधीकरण कर रही हैं और भारत उनके लिए सबसे विश्वसनीय विकल्पों में उभर रहा है।

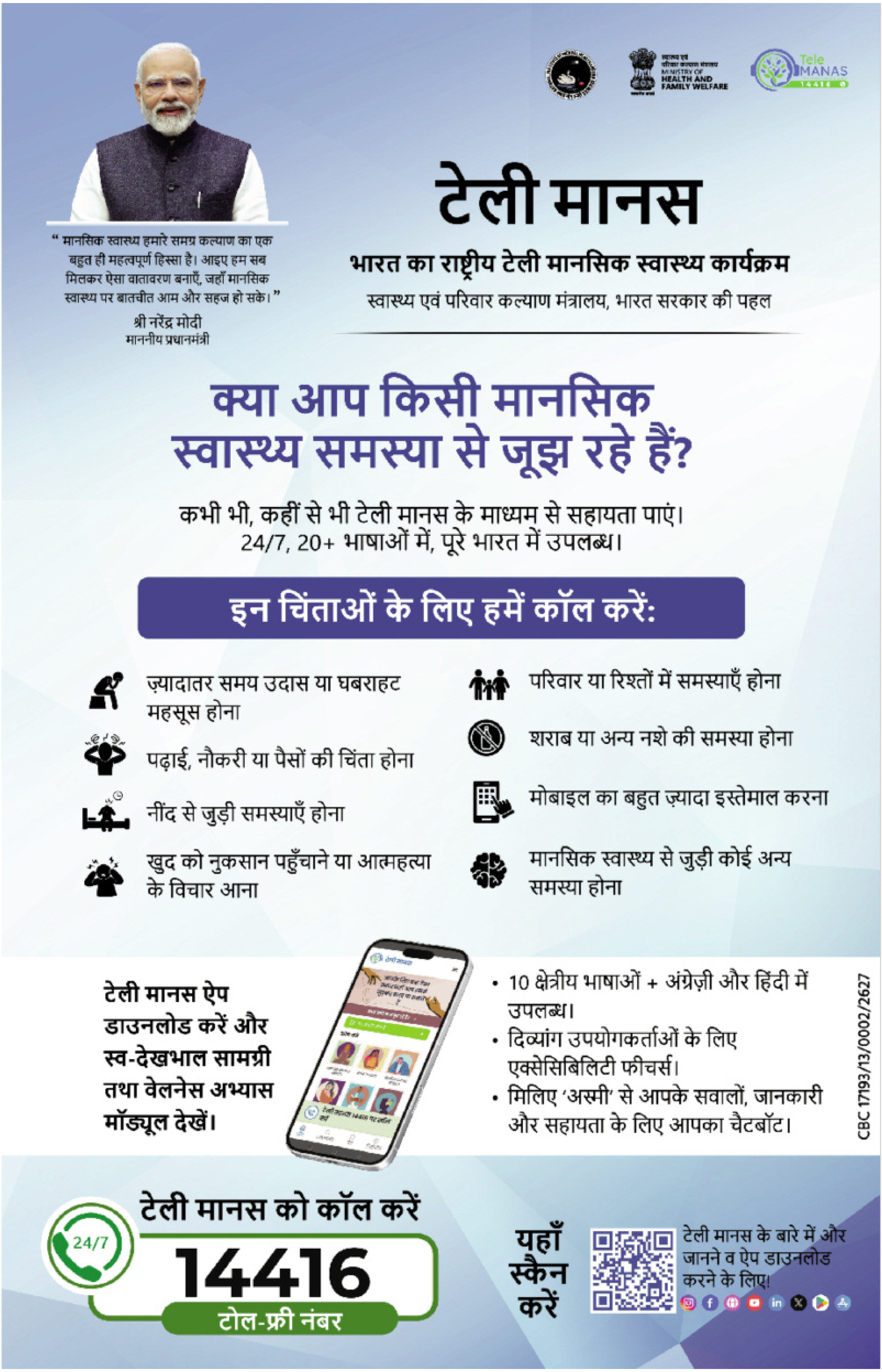

" मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र कल्याण का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। आइए हम सब मिलकर ऐसा वातावरण बनाएँ, जहाँ मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत आम और सहज हो सके। "
श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE
Tele MANAS
टेली मानस
भारत का राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की पहल
क्या आप किसी मानसिक स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं?
कभी भी, कहीं से भी टेली मानस के माध्यम से सहायता पाएं।
24/7, 20+ भाषाओं में, पूरे भारत में उपलब्ध।
इन चिंताओं के लिए हमें कॉल करें:
ज़्यादातर समय उदास या घबराहट महसूस होना
पढ़ाई, नौकरी या पैसों की चिंता होना
नींद से जुड़ी समस्याएँ होना
खुद को नुकसान पहुँचाने या आत्महत्या के विचार आना
परिवार या रिश्तों में समस्याएँ होना
शराब या अन्य नशे की समस्या होना
मोबाइल का बहुत ज़्यादा इस्तेमाल करना
मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी कोई अन्य समस्या होना
टेली मानस ऐप डाउनलोड करें और स्व-देखभाल सामग्री तथा वेलनेस अभ्यास मॉड्यूल देखें।
• 10 क्षेत्रीय भाषाओं + अंग्रेज़ी और हिंदी में उपलब्ध।
• दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए एक्सेसिबिलिटी फीचर्स।
• मिलिए 'अस्मी' से आपके सवालों, जानकारी और सहायता के लिए आपका चैटबॉट।
CBC 17193/13/0002/2627
टेली मानस को कॉल करें
24/7
14416
टोल-फ्री नंबर
यहाँ स्कैन करें
टेली मानस के बारे में और जानने व ऐप डाउनलोड करने के लिए!

सैमसंग के नए फोल्डेबल स्मार्टफोन्स ने 72 घंटे में 2.71 लाख से अधिक प्री-ऑर्डर

गुरुग्राम। शिवक प्रौद्योगिकी कंपनी सैमसंग की आठवीं पीढ़ी के प्रीमियम फोल्डेबल स्मार्टफोन्स गैलेक्सी Z फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी Z फोल्ड 8 और गैलेक्सी फ्लिप 8 ने भारत में लॉन्च होते ही प्री-ऑर्डर के नए कीर्तिमान स्थापित कर दिए हैं। 22 जुलाई को लॉन्च के बाद मात्र 72 घंटों** के भीतर इन स्मार्टफोन्स के लिए 2.71 लाख से अधिक प्री-ऑर्डर दर्ज किए गए, जो भारतीय स्मार्टफोन बाजार में फोल्डेबल तकनीक की बढ़ती लोकप्रियता और ग्राहकों के अभूतपूर्व विश्वास को दशार्ता है। विशेष बात यह रही कि कुल प्री-ऑर्डर में से 45 प्रतिशत ऑर्डर टियर-2 और उससे छोटे शहरों से प्राप्त हुए हैं। इससे स्पष्ट होता है कि अत्याधुनिक तकनीक अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि छोटे शहरों के उपभोक्ता भी प्रीमियम और इनोवेटिव स्मार्टफोन्स

को तेजी से अपना रहे हैं। सैमसंग इंडिया के अनुसार, पिछले वर्ष गैलेक्सी Z फोल्ड-X7 और फ्लिप7 के लिए जितने प्री-ऑर्डर प्राप्त करने में 15 दिन लगे थे, इस बार वही आंकड़ा महज तीन दिनों में पार हो गया। कंपनी को विश्वास है कि नई गैलेक्सी सीरीज इस वर्ष लॉन्च हुई S26 सीरीज के समान रिकॉर्ड प्री-ऑर्डर हासिल करेगी। सैमसंग साउथ वेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट एवं सीईओ जे. बी. पार्क ने कहा कि भारत में नई गैलेक्सी सीरीज को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया इस बात का प्रमाण है कि उपभोक्ता अब ऐसी तकनीक चाहते हैं, जो उत्पादकता बढ़ाने के साथ रचनात्मकता को भी नई ऊँचाइयों तक ले जाए। उन्होंने कहा कि भारत में निर्मित ये डिवाइस भारतीय उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित किए गए हैं तथा टियर-2 और छोटे शहरों से मिली शानदार प्रतिक्रिया भविष्य के लिए बेहद उत्साहजनक संकेत है।

शब्दवाणी समाचार

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

पावरग्रिड	3.99 प्रतिशत
टीसीएस	2.06 प्रतिशत
इंडिगो	1.49 प्रतिशत
एमएंडएम	1.41 प्रतिशत
मारूति सुजुकी	1.15 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,44,780
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,23,723
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.34	93.27
पौड स्टर्लिंग	130.17	125.58
यूरो	111.66	107.51
चीन युआन	14.99	13.27

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

भारत-दक्षिण अफ्रीका महत्वपूर्ण खनिजों, फार्मास्यूटिकल्स व विनिर्माण क्षेत्र में सहयोग का विस्तार करेंगे : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत और दक्षिण अफ्रीका ने जयपुर में आयोजित 'ब्रिक्स 2026 व्यापार मंत्रियों की बैठक' के दौरान महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स), दवा उद्योग (फार्मास्यूटिकल्स) और विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

इस बैठक में दोनों देशों ने भारत-दक्षिणी अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ (एसएसीयू) के बीच प्रस्तावित प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट (पीटीए) को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने इस समझौते से जुड़े टर्म्स ऑफ रेफरेंस (टीओआर) पर हस्ताक्षर करने और वार्ताओं को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

बैठक के इतर पीयूष गोयल ने दक्षिण अफ्रीका के व्यापार, उद्योग एवं प्रतिस्पर्धा मंत्री पार्क्स टाउ से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापारिक और आर्थिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श हुआ। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा,

■ दोनों देशों ने की एसएसीयू के बीच प्रस्तावित पीटीए को आगे बढ़ाने पर चर्चा

'हमने भारत-एसएसीयू प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट के लिए टर्म्स ऑफ रेफरेंस पर हस्ताक्षर, वार्ताओं को जल्द पूरा करने, भारत-दक्षिण अफ्रीका व्यापार संबंधों को मजबूत बनाने तथा महत्वपूर्ण खनिज, फार्मास्यूटिकल्स और विनिर्माण क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों पर चर्चा की।

भारत इस समय स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों, उन्नत विनिर्माण और रणनीतिक उद्योगों के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षित और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) विकसित करने पर विशेष ध्यान दे रहा है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के साथ सहयोग बढ़ाने को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत की अध्यक्षता में आयोजित ब्रिक्स 2026 व्यापार मंत्रियों की बैठक में सदस्य देशों ने व्यापार और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने, नवाचार को बढ़ावा देने, मजबूत वैल्यू चेन विकसित करने और टिकाऊ औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने पर चर्चा की।

कोयला क्षेत्र में निजी निवेश बढ़ाने के लिए सरकार उठा रही ठोस कदमः जी. किशन रेड्डी

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने गुरुवार को संसद सदस्यों की परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में वाणिज्यिक कोयला खनन (कमर्शियल कोल माइनिंग) में सुधारों और निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोयला मंत्रालय निजी कंपनियों और उद्योग संगठनों के साथ लगातार संवाद कर रहा है। इसके लिए देश भर में रोडशो और विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श बैठकें आयोजित की जा रही हैं, ताकि वाणिज्यिक कोयला खनन के बारे में अधिक जागरूकता पैदा हो और निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ सके। जी. किशन रेड्डी ने समिति को बताया कि अब तक वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के 14 दौर सफलतापूर्वक पूरे किए जा चुके हैं, जबकि 15वें दौर की प्रक्रिया वर्तमान में जारी है। उन्होंने कहा कि पारदर्शी नीलामी प्रणाली ने भारत के कोयला क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाया है और इससे प्रतिस्पर्धा तथा निवेश को बढ़ावा मिला है। बैठक में कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनियों (कोल पीएसयू) के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

मुंबई में शुरू हुआ ब्रिक्स वेव्स बाजार 2026

मुंबई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत मुंबई में गुरुवार से ब्रिक्स वेव्स बाजार 2026 का शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में ब्रिक्स सदस्य और साझेदार देशों के 500 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। आयोजन का उद्देश्य फिल्म, टेलीविजन, एनीमेशन, वीएफएक्स, गेमिंग, संगीत और डिजिटल मीडिया समेत रचनात्मक उद्योगों में वैश्विक सहयोग, निवेश और कारोबारी अवसरों को बढ़ावा देना है। उद्घाटन समारोह में महाराष्ट्र के इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी, एआई और संस्कृति मंत्री आशीष शेलार ने

■ रचनात्मक क्षेत्र में सहयोग व निवेश बढ़ाने पर जोर

कहा, ' ब्रिक्स वेव्स बाजार 2026 वैश्विक रचनात्मक अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला मंच बन सकता है। भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और तकनीकी नवाचार के दम पर वैश्विक क्रिएटिव इकोनॉमी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। 'वहीं, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव चंचल कुमार ने कहा, ' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संस्कृति और रचनात्मकता को देशों के बीच संवाद और सहयोग का प्रभावी माध्यम मानते हैं।

वी-जॉन ने शेव प्रो ट्विन ब्लेड रेजर लॉन्च कर किफायती मास मार्केट में रखा कदम

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण ग्रूमिंग को सुलभ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए वी-जॉन ने वी-जॉन शेव प्रो ट्विन ब्लेड रेजर लॉन्च करने की घोषणा की है। यह नया किफायती शेविंग समाधान भारतीय मास मार्केट के लिए स्मूद, आरामदायक और भरोसेमंद शेविंग अनुभव देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। मात्र 20 रुपये की कीमत वाले इस रेजर का लक्ष्य कम कीमत वाले डिस्पोजेबल रेजर और प्रीमियम मल्टी-ब्लेड सिस्टम के बीच की दूरी को कम करना है, ताकि उपभोक्ताओं को किफायती दाम में बेहतर प्रदर्शन मिल सके।इस लॉन्च के साथ वी-जॉन ने किफायती रेजर कैटेगरी में रणनीतिक रूप से प्रवेश किया है। कंपनी पुरुषों के ग्रूमिंग

इकोसिस्टम में अपनी मौजूदगी को लगातार मजबूत कर रही है। शेविंग प्रोडक्ट्स और ग्रूमिंग उत्पादों में अपनी मजबूत विरासत के आधार पर कंपनी अब शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण भारत के उपभोक्ताओं तक बेहतर शेविंग अनुभव पहुंचाने का लक्ष्य रखती है।लॉन्च पर वी-जॉन ग्रुप के जीएम मार्केटिंग आशुतोष चौधरी ने कहा, 'वी-जॉन में हमारा हमेशा से मानना रहा है कि गुणवत्तापूर्ण ग्रूमिंग केवल प्रीमियम उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं होनी चाहिए।

वैश्विक संकेतों से शेयर बाजार में तेजी

मुंबई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को तेजी रही और बीएसई का सेंसेक्स करीब 374 अंक चढ़ गया।

सेंसेक्स 373.76 अंक (0.48 प्रतिशत) चढ़कर 78,954.76 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 11.35 अंक यानी 0.05 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 24,636 अंक पर बंद हुआ। वृहत बाजार में ज्यादातर सूचकांक लाल निशान में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.51 प्रतिशत गिर गया। वहीं, स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.48 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। ऑटो, मीडिया, धातु और रियल्टी समूहों के सूचकांक लाल निशान में रहे। बैंकिंग और तेल एवं गैस समूहों में तेजी रही। सेंसेक्स की कंपनियों में

रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर सबसे अधिक करीब साढ़े तीन प्रतिशत ऊपर रहा। भारतीय स्टेट बैंक का शेयर तीन फीसदी, बीईएल का ढाई फीसदी और आईसीआईसीआई बैंक का शेयर सवा दो फीसदी से अधिक चढ़ा। इटरनल में करीब दो प्रतिशत और टाइटन में डेढ़ फीसदी की तेजी रही।

■ सेंसेक्स 0.48 प्रतिशत चढ़कर 78,954.76 अंक पर रहा

■ निफ्टी 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,636 अंक पर बंद

पावरग्रिड का शेयर चार प्रतिशत और टीसीएस का दो प्रतिशत लुढ़क गया। इंडिगो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर भी एक से डेढ़ प्रतिशत तक की गिरावट में रहे। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एक्सिस बैंक और अडानी पोर्टस के शेर भी नीचे रहे।

सार संक्षेप

एसुस लेकर आया लैपटॉप्स पर 53 प्रतिशत तक की बचत वाले खास ऑफर्स

गुडगाँव। टेक कंपनी, एसुस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने कई लैपटॉप्स पर आकर्षक ऑफर्स लेकर आई है। इंडिपेंडेंस डे सेल के दौरान ग्राहक अत्याधुनिक एसुस लैपटॉप्स के साथ अपने डिजिटल अनुभव को बेहतर बना सकेंगे। दमदार गेमिंग लैपटॉप्स से लेकर हल्के और स्टाइलिश प्रोडक्टिविटी लैपटॉप्स तक, एसुस अपनी लोकप्रिय आरओजी, टीयूएफ, वीवोबुक और जेनबुक सीरीज पर शानदार छूट और ऑफर्स पेश कर रहा है। सीमित समय के लिए ग्राहक एसुस के चुनिंदा लैपटॉप्स पर 53% तक की बचत कर सकते हैं। ऐसे में नई तकनीक और बेहतरीन परफॉर्मेंस वाले लैपटॉप खरीदने का यह शानदार मौका है। ये खास ऑफर्स 16 अगस्त तक रिलायंस डिजिटल, क्रोमा और विजय सेल्स जैसे प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर्स पर उपलब्ध रहेंगे, जिससे ग्राहकों के लिए नए एसुस लैपटॉप पर अपग्रेड करना और आसान हो जाएगा। फेस्टिव ऑफर्स के साथ-साथ ग्राहक चुनिंदा बैंक कार्ड्स पर इंस्टेंट बैंक डिस्काउंट और 12 महीने तक की नो कॉस्ट ईएमआई का लाभ भी उठा सकते हैं। इसके अलावा एसुस इस अवधि में 99 रुपए की शुरुआती कीमत पर वारंटी एक्सटेंशन प्लान और लोकल एक्सीडेंटल डैमेज प्रोटेक्शन भी दे रहा है।

आपका पसंदीदा निविया सॉफ्ट, अब जेल फ़ॉर्मेट में

नई दिल्ली। भारत का सबसे भरोसेमंद स्किनकेयर ब्रांड निविया, अपने स्किनकेयर नवाचार पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए सर्वथा नया निविया सॉफ्ट जेल लॉन्च कर रहा है। यह एक अगली पीढ़ी का हाइब्रिड मॉइस्चराइज़र है, जिसे हल्के सेंसोरियल अनुभव के साथ तीव्र हाइड्रेशन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। स्किनकेयर प्रभावकारिता और रोज़मर्रा के आराम के बीच की खाई को पाटते हुए, यह ब्रेकथ्रू फ़ॉर्मूला जेल की ताज़गी को सीरम की शक्ति के साथ जोड़ता है, और हाइड्रेशन-आधारित स्किनकेयर में एक नया मानक प्रस्तुत करता है।

फर्स्टसोर्स सॉल्यूशंस का मुनाफा अप्रैल-जून में घटा

मुंबई। आरपी-संजीव गोयनका ग्रुप की आईटी कंपनी फर्स्टसोर्स सॉल्यूशंस ने गुरुवार को वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए। अप्रैल-जून अवधि में कंपनी का मुनाफा तिमाही आधार पर 19 प्रतिशत घटकर 166 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में 205 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 27 की जून तिमाही में कंपनी की ऑपरेशंस से आय तिमाही आधार पर 5.5 प्रतिशत बढ़कर 2,725 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 26 की मार्च तिमाही में 2,583 करोड़ रुपए थी। कंपनी का परिचालन स्तर पर एबिट तिमाही आधार पर 45.2 प्रतिशत घटकर 337 करोड़ रुपए हो गया है।

कंटेनर ट्रेन ऑपरेटर अब सिंगल ऑल इंडिया लाइसेंस के साथ सभी मार्गों पर कर सकेंगे परिचालन

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रेल ने भारतीय रेल नेटवर्क पर कंटेनर ट्रेनों के परिचालन के लिए ऑपरेटरों को अनुमति देने संबंधी मॉडल कन्सेशन एग्रीमेंट (एमसीए) में संशोधनों को मंजूरी दी है। स्वीकृत संशोधनों के तहत अब कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों (सीटीओ) को अलग-अलग मार्ग श्रेणियों के लिए पृथक अनुमति और शुल्क की मौजूदा व्यवस्था के स्थान पर 25 करोड़ रुपए के एकसमान पंजीकरण शुल्क के साथ सिंगल ऑल-इंडिया लाइसेंस के आधार पर भारतीय रेल नेटवर्क के सभी मार्गों पर कंटेनर ट्रेनों का परिचालन करने की अनुमति होगी। इन संशोधनों को राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित किया जाएगा।

स्वीकृत संशोधनों के तहत लाइसेंस की वर्तमान मार्ग-वार श्रेणीकरण व्यवस्था समाप्त कर दी जाएगी। रेल मंत्रालय की स्वीकृति के अधीन, कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों को सिंगल ऑल इंडिया लाइसेंस प्रदान किया जाएगा, जिससे वे भारतीय रेल नेटवर्क के सभी मार्गों पर कंटेनर ट्रेनों का परिचालन कर सकेंगे।

विभिन्न मार्ग श्रेणियों के लिए अलग-अलग

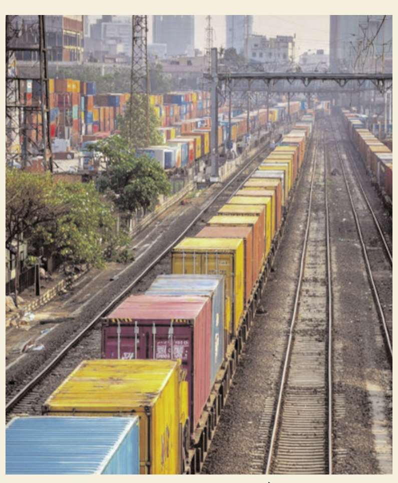

पंजीकरण शुल्क लेने की मौजूदा व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। अब प्रत्येक आवेदक को भारतीय रेल नेटवर्क के सभी मार्गों पर परिचालन के लिए 25 करोड़ रुपए का अप्रतिदेय एकसमान पंजीकरण शुल्क जमा करना होगा।

स्वीकृत संशोधनों के अनुसार, कंटेनर ट्रेन ऑपरेटर को दी गई अनुमति की अवधि समाप्त होने के बाद उसे आगे 20 वर्षों के लिए बढ़ाया

■ लाइसेंस की वर्तमान मार्ग-वार श्रेणीकरण व्यवस्था समाप्त कर दी जाएगी

जा सकेगा। यह विस्तार सक्षम प्राधिकारी द्वारा ऑपरेटर के आवेदन तथा उसके संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर प्रदान किया जाएगा। इस विस्तार अथवा भविष्य में उसी ऑपरेटर को दिए जाने वाले किसी भी अन्य विस्तार के लिए कोई विस्तार शुल्क नहीं लिया जाएगा।

कैटेगरी-फर्स्ट लाइसेंसधारी ऑपरेटर अपनी वर्तमान श्रेणी के अंतर्गत अपनी कन्सेशन अवधि समाप्त होने तक परिचालन जारी रख सकेंगे। नई लाइसेंस व्यवस्था के तहत नवीनीकरण या विस्तार के समय उनसे कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। कैटेगरी-सेकेंड, थर्ड, और फोर्थ के ऑपरेटर भी अपनी वर्तमान श्रेणियों के अंतर्गत अपनी कन्सेशन अवधि पूरी होने तक परिचालन जारी रख सकेंगे। नई लाइसेंस व्यवस्था के तहत नवीनीकरण या विस्तार के लिए उन्हें 15 करोड़ रुपए का भुगतान करना होगा। यह राशि नए 25 करोड़ रुपए के शुल्क और पहले से जमा किए गए 10 करोड़ रुपए के बीच का अंतर है। यह राशि अप्रतिदेय होगी।

भारतीय आईटी सेक्टर में भर्ती सालाना 10 प्रतिशत बढ़ी : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के तकनीकी रोजगार बाजार में इस समय दो अलग-अलग रुझान देखने को मिल रहे हैं। एक ओर टेक्नोलॉजी से जुड़े कार्यों की मांग में सालाना 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, वहीं दूसरी ओर एंट्री-लेवल आईटी नौकरियों में कमी देखने को मिली है। यह जानकारी जॉब पोर्टल फाउंडइट की एक नई रिपोर्ट में सामने आई है।

■ एआई से जुड़े पदों की मांग में तेज उछाल

रिपोर्ट के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-आधारित भूमिकाएं तेजी से भर्ती का हिस्सा बन रही हैं। एक साल पहले जहां एंट्री-लेवल भर्तियों में एआई से जुड़े पदों की हिस्सेदारी लगभग 1 प्रतिशत थी, वहीं अब यह बढ़कर 4 प्रतिशत हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनियां अब केवल एआई मॉडल विकसित करने के लिए ही नए उम्मीदवारों की भर्ती नहीं कर रही हैं। इसके बजाय वे ऐसे प्रतिभाशाली कर्मचारियों की तलाश कर रही हैं, जो एआई सिस्टम का संचालन, सत्यापन और अनुकूलन कर सकें। आईटी उद्योग में फ्रेशर भर्ती की हिस्सेदारी भी घटी है। पिछले वर्ष जहां कुल फ्रेशर हायरिंग में आईटी सेक्टर का योगदान 32 प्रतिशत था, वहीं अब यह घटकर 24 प्रतिशत रह गया है। इससे संकेत मिलता है कि तकनीक-आधारित नौकरियां अब केवल पारंपरिक आईटी कंपनियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बैंकिंग, विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग), हेल्थकेयर और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर जैसे क्षेत्रों में भी तेजी से बढ़ रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आईटी ऑक्युपेशन इंडेक्स में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि आईटी इंडस्ट्री इंडेक्स में 6 प्रतिशत की गिरावट आई।

पैरामोटर डिजिटल टेक्नोलॉजी, आदित्य बिरला कैपिटल के डिजिटल प्रोडक्ट्स के साथ समझौते की घोषणा

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। पैरामोटर डिजिटल टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने आदित्य बिरला कैपिटल के प्रमुख ओमनीचैनल डीटूसी प्लेटफ़ॉर्म, आदित्य बिरला कैपिटल डिजिटल लिमिटेड (एबीसीडीएल) के साथ एक समझौते की घोषणा की है। भारत में अपने प्रीपेड पेमेंट सॉल्यूशन के पोर्टफ़ोलियो को बढ़ाने के लिए पैरामोटर एबीसीडीएल के प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स (PPIs) को डिस्ट्रीब्यूट करेगा, जिनमें डिजिटल और फिजिकल प्रीपेड कार्ड और गिफ्ट कार्ड शामिल हैं। यह व्यवस्था कॉर्पोरेट और रिटेल ग्राहकों तक सुरक्षित, नियमों के पालन वाले और टेक्नोलॉजी पर आधारित प्रीपेड पेमेंट सॉल्यूशन की पहुंच को मजबूत करने की दिशा में एक कदम है। इससे पैरामीटर का फिनटेक अनुभव, डिजिटल डिस्ट्रीब्यूशन क्षमताएं और पार्टनर इकोसिस्टम और

एबीसीडीएल का मजबूत प्रीपेड पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर और रेगुलेटरी फ्रेमवर्क एक साथ आते हैं। पैरामीटर डिजिटल टेक्नोलॉजी लिमिटेड की एग्जीक्यूटिव चेयरपर्सन और होल-टाइम डायरेक्टर सोनिया अशर ने कहा, 'पैरामीटर और आदित्य बिरला कैपिटल डिजिटल भारत के तेजी से बढ़ते डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम को सपोर्ट करने के लिए काम कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि इससे हम अपने बढ़ते टेक्नोलॉजी प्लेटफ़ॉर्म और पार्टनर नेटवर्क के जरिए बिजनेस और ग्राहकों को भरोसेमंद प्रीपेड पेमेंट सॉल्यूशन दे पाएँगे। हमारा मानना है कि प्रीपेड पेमेंट प्रोडक्ट के ज्यादा आसान, सुरक्षित और सुविधाजनक होने से ग्राहकों के लिए काफी वैल्यू बनेगी।

देखभाल क्षेत्र में कौशल विकास से बढ़ेंगे रोजगार व आर्थिक अवसर : नीति आयोग

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। देश में देखभाल सेवाओं की मौजूदा और भविष्य की मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित देखभालकर्ताओं का एक मजबूत समूह तैयार करने की जरूरत बढ़ रही है। साथ ही, भारतीय देखभालकर्ता पेशेवरों के लिए वैश्विक स्तर पर उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने की भी आवश्यकता है। यह बात नीति आयोग की एक नई रिपोर्ट में कही गई है।

रिपोर्ट में देखभालकर्ताओं को देखभाल व्यवस्था का केंद्र बताया गया है। इसमें देखभाल कार्य को एक कुशल, सम्मानजनक और मूल्यवान पेशे के रूप में मान्यता देने पर जोर दिया गया है। साथ ही गुणवत्तापूर्ण देखभाल, पेशेवर पहचान, कार्यबल कल्याण, संस्थागत सहयोग और परिवारों व समुदायों को विश्वसनीय तथा किफायती देखभाल सेवाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता रेखांकित की गई है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक

कुमार लाहिड़ी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर केयरगिवर्स की बढ़ती मांग भारत के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। इसके माध्यम से भारत पारंपरिक देखभाल सेवाओं के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व स्थापित कर सकता है, बड़े आर्थिक मूल्य का सृजन कर सकता है और रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकता है।

उन्होंने कहा कि इससे देखभालकर्ताओं को बेहतर पहचान और सामाजिक सुरक्षा मिल सकेगी। साथ ही भारत की सांस्कृतिक विरासत, ज्ञान-आधारित विशेषज्ञता और सॉफ्ट

वैश्विक स्तर पर केयरगिवर्स की बढ़ती मांग भारत के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करती है : अशोक कुमार लाहिड़ी

पावर को भी वैश्विक स्तर पर मजबूती मिलेगी। यह रिपोर्ट भारत के देखभाल संबंधी पारिस्थितिकी तंत्र को प्रस्तुत करती है और एक संगठित, पेशेवर, सुलभ और भविष्य के लिए तैयार देखभाल प्रणाली के निर्माण के लिए एक व्यापक रोडमैप की रूपरेखा तैयार करती है।

नीति आयोग के सदस्य डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम के अनुसार, 'सेवा और संवेदना' हमेशा से भारत की सभ्यतागत विचारधारा के केंद्र में रही हैं, और देखभाल करना इन शाश्वत मूल्यों को दर्शाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक मजबूत देखभाल प्रणाली सामाजिक समावेश को मजबूत करेगी, एक देखभाल करने वाले समाज का विकास करेगी।

डिमेंशिया को लेकर वैज्ञानिकों का दावा

मिडिल एज में तीन चीजों पर नियंत्रण से 13 साल तक टल सकता है डिमेंशिया

- शोधकर्ताओं ने 12,400 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य आंकड़ों का 26 वर्षों तक किया विश्लेषण
- अध्ययन की शुरुआत में प्रतिभागियों की औसत आयु थी 56 वर्ष
- डिमेंशिया को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता, उम्र व आनुवंशिक कारक प्रमुख जोखिम
- धूम्रपान, उच्च रक्तचाप, टाइप-2 मधुमेह से दूरी बनाकर डिमेंशिया के खतरे को किया जा सकता है कम

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। मिडिल एज में उच्च रक्तचाप, टाइप-2 मधुमेह और धूम्रपान को अगर नियंत्रित रखा तो तय है कि डिमेंशिया की शुरुआत को औसतन 13 वर्ष तक टाला जा सकता है। यह दावा एक नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में किया गया है। अमेरिकी मेडिकल जर्नल 'न्यूरोलॉजी' में प्रकाशित इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने 12,400 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य आंकड़ों का लगभग 26 वर्षों तक विश्लेषण किया। अध्ययन की शुरुआत में प्रतिभागियों की औसत आयु 56 वर्ष थी। फॉलो अप पीरियड के दौरान 3,000 से अधिक प्रतिभागियों में डिमेंशिया बढ़ा।

शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों में मिडिल एज के दौरान उच्च रक्तचाप, टाइप-2 मधुमेह और धूम्रपान जैसे तीनों जोखिम कारक मौजूद नहीं थे, वे औसतन 30.1 वर्ष तक डिमेंशिया से मुक्त रहे। वहीं, जो इन्हें नियंत्रित नहीं कर पाए, उनमें डिमेंशिया-मुक्त अवधि केवल लगभग 17 वर्ष रही। इस प्रकार दोनों समूहों के बीच करीब 13 वर्षों का अंतर दर्ज किया गया। अध्ययन के वरिष्ठ लेखक और अमेरिका के एनवाईयू लैंगोन हेल्थ से जुड़े डॉ. जोसेफ कोरेश ने कहा कि डिमेंशिया की प्रक्रिया लक्षण सामने आने से कई वर्ष पहले ही शुरू हो जाती है। ऐसे में मिडिल एज में हृदय और रक्त वाहिकाओं से जुड़े जोखिमों को नियंत्रित करना मस्तिष्क के दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

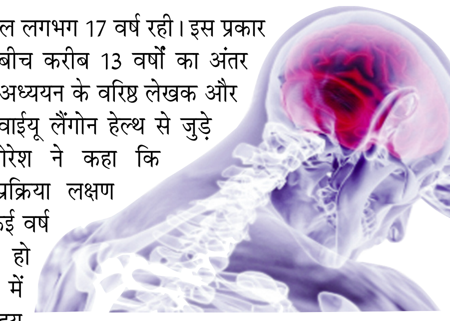

विशेषज्ञों के अनुसार, उच्च रक्तचाप और मधुमेह मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जबकि धूम्रपान ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन को बढ़ाकर मस्तिष्क कोशिकाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इन जोखिमों को कम करने से संज्ञानात्मक क्षमता लंबे समय तक सुरक्षित रखी जा सकती है। हालांकि शोधकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि डिमेंशिया को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता, क्योंकि उम्र और आनुवंशिक कारक इसके प्रमुख जोखिम बने रहते हैं।

फिर भी स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर, रक्तचाप और रक्त शर्करा को नियंत्रित रखकर तथा धूम्रपान से दूरी बनाकर डिमेंशिया के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इससे पहले लैंसेट आयोग की रिपोर्ट में भी कहा गया था कि डिमेंशिया के लगभग 45 प्रतिशत मामलों को जीवनशैली और अन्य संशोधित किए जा सकने वाले जोखिम कारकों पर समय रहते नियंत्रण कर रोका या कई वर्षों तक टाला जा सकता है।

नई बायोपिक पर काम कर रहीं गुलफाम खान

मुंबई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। 'नामकरण', 'भाग्यलक्ष्मी' और 'दीया और बाती हम' जैसे लोकप्रिय टीवी सीरियल में काम कर घर-घर में पहचान बनाने वाली मशहूर अभिनेत्री और लेखिका गुलफाम खान आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है।

अभिनेत्री ने कहा कि अभी मैं जो बायोपिक लिख रही हूं, उनके ऊपर कहानी पहले भी लिखी जा चुकी है, लेकिन इसे मैं अपने नजरिए से लिखना चाहती हूं। एक बार यह तैयार हो जाए, तो मैं तय करूंगी कि आगे क्या करना है। गुलफाम खान ने बताया कि उनके लिए असली अवॉर्ड वही है, जब लोग खुद आकर उनके काम और व्यक्तित्व की तारीफ करते हैं।

अभिनेत्री ने कहा कि हमें पहले लगता था कि दर्शक सिर्फ एक खास तरह का बालिका वधू, अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो और प्रतिज्ञा जैसे शो, जो ग्रामीण भारत पर आधारित कंटेंट को ही पसंद करती है। हालांकि, उसके बाद कुमकुम भाग्य और कुंडली भाग्य जैसे शहरी शो पॉपुलर हुए। फिर, मैंने महसूस किया कि वह दर्शकों को सब कुछ पसंद हैं, वे सिर्फ एक जॉनर पर ही टिके नहीं हैं। हर शो की अपनी ऑडियंस होती है, कुछ लोगों को शहरी कहानियां पसंद आती हैं, कुछ ग्रामीण कहानियों से जुड़ते हैं और कुछ दिल्ली, पंजाब या मुंबई के मिडिल-क्लास परिवारों से जुड़ते हैं। फिर अलादीन, माइथोलॉजी या रामायण जैसी यूनिवर्सल कहानियां हैं।

जिम्नास्टों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीते कई पदक

विद्यालय प्रबंधन ने सभी खिलाड़ियों, कोच शुभम रुहेला, अभिभावकों व खेल विभाग को उपलब्धि पर दी हार्दिक बधाई

ग्रेटर नोएडा, 6 अगस्त (देशबन्धु)। इंटर स्कूल जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता 2026 का आयोजन श्री राम ग्लोबल स्कूल, ग्रेटर नोएडा में आयोजित हुआ, जिसमें जेपी पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक जीते। अंडर-8 बालक वर्ग में दिविक मिश्रा (कक्षा-4-ई) ने स्वर्ण पदक तथा आद्विक दुआ (कक्षा-2ए) ने रजत पदक प्राप्त किया। अंडर-8 बालिका वर्ग में अंतरिक्षा सिंह (कक्षा 3-ए) ने स्वर्ण पदक एवं आराध्या सिंह (कक्षा-4-इ) ने रजत पदक जीता।

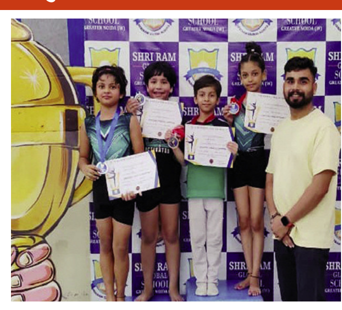

अंडर-10 बालिका वर्ग में अहाना मिश्रा (कक्षा-4-इ) एवं इरिशा (कक्षा-5-डी) ने स्वर्ण पदक, प्राणवी गोयल (कक्षा-3-ए) एवं प्रीशा सिंह (कक्षा-4-सी) ने रजत पदक, जबकि रायना गुप्ता (कक्षा-3-ए) ने कांस्य पदक अर्जित कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय की प्राचार्या मीता भंडुला एवं उप-प्राचार्या अनीता पिल्लई ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों एवं कोच शुभम रुहेला को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन एवं निरंतर अभ्यास का परिणाम है। विद्यालय की एचओडी (शारीरिक शिक्षा एवं खेल) नीरज सिंह ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यालय खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए उत्कृष्ट प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं एवं सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। विद्यालय प्रबंधन ने सभी खिलाड़ियों, कोच शुभम रुहेला, अभिभावकों एवं खेल विभाग को इस शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मेकअप को सही तरीके से साफ न करना पैदा कर सकता है परेशानी

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। ऑफिस या किसी पार्टी में शामिल होना हो या किसी खास मौके पर तैयार होना हो, मेकअप से चेहरा ज्यादा निखरा हुआ नजर आता है लेकिन जितना जरूरी मेकअप करना है, उतना ही जरूरी उसे सही तरीके से हटाना भी है। कई लोग घंटों मेकअप लगाए रखते हैं और रात में थकान के कारण बिना हटाए ही सो जाते हैं। यही छोटी सी गलती धीरे-धीरे त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है।

त्वचा विशेषज्ञों के मुताबिक, मेकअप को सही तरीके से साफ न करना परेशानी पैदा कर सकता है। चेहरे पर लंबे समय तक मेकअप, धूल, प्रदूषण और पसीना जमा रहने से त्वचा के रोमछिद्र बंद हो सकते हैं। इससे मुंहासे, त्वचा का रूखापन, जलन, लालिमा और बेजान त्वचा जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसलिए मेकअप के बाद एक सही स्किन केयर रूटीन अपनाना बेहद जरूरी है।

मेकअप हटाने की शुरुआत सही क्लीनिंग से होनी चाहिए। खासतौर पर वाटरप्रूफ मस्कारा, लंबे समय तक टिकने वाली लिपस्टिक और फुल कवरेज फाउंडेशन को

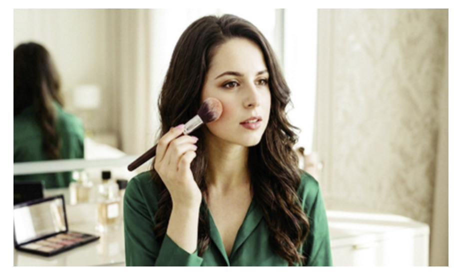

- मुंहासे, त्वचा का रूखापन, जलन, लालिमा व बेजान त्वचा जैसी समस्याएं
- लंबे समय तक मेकअप, धूल, प्रदूषण और पसीना जमा रहने से बंद हो सकते हैं त्वचा के रोमछिद्र

केवल फेसवॉश से हटाना काफी नहीं होता। ऐसे प्रोडक्ट्स को हटाने के लिए मेकअप रिमूवर या ऑयल बेस्ड क्लेंजर का इस्तेमाल किया जा सकता है। चेहरे को जोर-जोर से रगड़ने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे त्वचा पर खिंचाव और जलन हो सकती है। आंखों के मेकअप को हटाते समय ज्यादा सावधानी की जरूरत होती है। कॉटन पैड पर मेकअप रिमूवर लगाकर कुछ सेकंड आंखों पर रखें और फिर हल्के हाथों से साफ करें। इससे आई मेकअप आसानी से निकल जाता है और आंखों के आसपास की नाजुक त्वचा को नुकसान भी नहीं पहुंचता। मेकअप हटाने के बाद डबल क्लीजिंग त्वचा को ज्यादा अच्छी तरह साफ करने में मदद करती है। इसमें पहले ऑयल बेस्ड क्लींजर से मेकअप और गंदगी हटाई जाती है। इसके बाद पानी वाले फेस क्लींजर से त्वचा को साफ किया जाता है। इससे मेकअप के बचे हुए कण और अतिरिक्त तेल भी निकल जाते हैं। क्लीजिंग के बाद त्वचा को संतुलित रखने के लिए टोनर का इस्तेमाल किया जाता है। टोनर त्वचा की नमी बनाए रखने और उसे आराम देने में मदद करता है। हालांकि हर किसी की त्वचा अलग होती है, इसलिए त्वचा के प्रकार के हिसाब से टोनर चुनना चाहिए। हायलूरोनिक एसिड त्वचा को हाइड्रेट रखने में मदद करता है, जबकि एलोवेरा और ग्लिसरीन त्वचा को शांत और मुलायम बनाए रखने में सहायक होते हैं।

डॉ. ओपी यादव को मिला 'लिपि यूरोपा मीडिया अवॉर्ड 2026'

नई दिल्ली, 6 अगस्त (एजेंसियां)। लिपि यूरोपा द्वारा 'इंडिया बियॉन्ड बोर्ड्स' अभियान के अंतर्गत नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित भव्य अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक समारोह में वरिष्ठ पत्रकार, मीडिया एवं संचार विशेषज्ञ डॉ. ओ.पी. यादव को मीडिया, संचार एवं साउथ एशिया मीडिया डिप्लोमेसी के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित' लिपि यूरोपा मीडिया अवॉर्ड 2026' से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान केंद्रीय पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन तथा पंचायती राज राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल, कानपुर लोकसभा सांसद रमेश अवस्थी, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद , विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशक श्री सुनील कुमार सिंह, पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा तथा लिपि यूरोपा की अध्यक्ष एवं जर्मनी निवासी प्रवासी भारतीय डॉ. योजना जैन ने संयुक्त रूप से प्रदान किया। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल ने कहा कि डॉ. ओ.पी. यादव ने साउथ एशियन यूनिवर्सिटी में मीडिया एवं संचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. ओ.पी. यादव ने कहा, 'लिपि यूरोपा मीडिया अवॉर्ड 2026' जैसा अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त करना मेरे लिए अत्यंत गौरव और प्रेरणा का विषय है। यह सम्मान मीडिया एवं संचार कूटनीति के क्षेत्र में मेरे दायित्व और जिम्मेदारी को और अधिक बढ़ाता है।

डॉग वाले बयान पर आकांक्षा चमोला ने तोड़ी चुप्पी, गौरव मेरा कंफर्ट जोन नहीं

मुंबई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। टेलीविजन अभिनेत्री और 'लॉकअप-2' कंटेस्टेंट रही आकांक्षा चमोला ने पति गौरव खन्ना को लेकर दिए गए विवादित बयान पर चुप्पी तोड़ी। अभिनेत्री ने बताया कि जिस तरह से उनके बयानों को तोड़कर दिखाया गया है, वैसा कुछ भी नहीं था।

आकांक्षा चमोला ने शो से बाहर निकलने के बाद मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि मैं चाहती थी कि शो के अंदर विजिटर के तौर पर मुझसे वो लोग मिलने आए, जिनके साथ मैं अपना कंफर्ट महसूस करती हूं जैसे कि मेरे माता-पिता या फिर डॉग आते तो मुझे अच्छा लगता, क्योंकि इनके साथ मैं अपना कंफर्ट महसूस करती हूं। गौरव भले ही मेरा पति हैं और अब हम डिवॉर्स लेने जा रहे हैं, लेकिन वो मेरा कंफर्ट जोन नहीं हैं। वो पता नहीं क्यों आया, शायद अपनी मर्जी से आया होगा। दरअसल, शो के दौरान आकांक्षा चपोला के पति गौरव खन्ना उनसे मिलने के लिए आए थे, जिसके कुछ एपिसोड बाद अभिनेत्री ने बताया था कि शो के दौरान गौरव खन्ना की जगह कोई ऐसा मिलने आता,

जिसके साथ वो अपनापन महसूस करती, भले उनका डॉग मिलने आता। शो में एंट्री लेने से पहले आकांक्षा चमोला ने अपना सीक्रेट रिवील करते हुए बताया था कि वह और गौरव खन्ना एक साल से अलग रह रहे हैं और तलाक लेने जा रहे हैं। इसके बाद श्रेया कालरा ने उनका दूसरा सीक्रेट रिवील कर दिया था कि वे बायसेक्सुअल हैं, जिसके बाद आकांक्षा चमोला ने ये बात स्वीकारी भी थी। साथ ही ये भी बताया था कि पति गौरव खन्ना को भी उनकी सेक्सुअलिटी के बारे में पता था। रितेश देशमुख और फराह खान द्वारा होस्ट किए गए इस शो में शिल्पा शिंदे, श्रेया कालरा, आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे पॉपुलर नाम थे, हालांकि कंटेस्टेंट श्रेया कालरा ने टॉप 3 की रेस में शिवांगी जोशी और योगेश रावत को हराकर इस सीजन की ट्रॉफी अपने नाम कर 1 करोड़ का इनाम भी अपने नाम किया।

विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत महिलाओं को किया गया जागरुक

ग्रेटर नोएडा, 6 अगस्त (देशबन्धु)। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) में बाल रोग विभाग ने स्तनपान के महत्व और सफल स्तनपान सुनिश्चित करने में परिवार के सहयोग जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व स्तनपान सप्ताह उत्साह के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में संकाय सदस्य, रेजिडेंट डॉक्टर, नर्सिंग अधिकारी, इंटर्न और छात्र एक साथ आए और शिक्षा और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से मातृ एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य में सुधार के लिए जिम्स ने जागरुक किया।

कार्यक्रम में एक नई मां की यात्रा को दर्शाया गया और इस बात पर जोर दिया गया कि पिता, दादा-दादी और अन्य देखभाल करने वालों सहित परिवार के सदस्यों का समर्थन स्तनपान की शुरुआत, निरंतरता और मातृ आत्मविश्वास को कैसे महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। इस अवसर पर बोलते हुए, जिम्स के निदेशक डॉ. ब्रिगेडियर राकेश गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि स्तनपान एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, माताओं को शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक चुनौतियों से पार पाने के लिए एक पोषणकारी और सहायक वातावरण की आवश्यकता होती है। इस कार्यक्रम में शिशुओं और माताओं दोनों के लिए स्तनपान के स्वास्थ्य लाभों पर वैज्ञानिक विचार-विमर्श, संवादात्मक परामर्श सत्र और साक्ष्य-आधारित स्तनपान पद्धतियों पर चर्चा भी शामिल थी।

आकृति कक्कड़ ने मां से ली शास्त्रीय संगीत की शुरुआती शिक्षा

मुंबई, 6 अगस्त (एजेंसियां)। किसी फिल्म को हिट बनाने में गाने की भूमिका अहम होती है। ये दर्शकों को कहानी से जोड़ने के साथ उससे भावनात्मक जुड़ाव बनाने में मदद करते हैं। ठीक इसी प्रकार बॉलीवुड को एक नए आयाम तक ले जाने में इंडस्ट्री के गायक और गायिकाओं का बहुत अहम योगदान रहा है। उन्हीं लोकप्रिय सिंगर्स में एक नाम आकृति कक्कड़ का है, जो एक मशहूर भारतीय प्लेबैक सिंगर और म्यूजिशियन हैं। आकृति कक्कड़ मुख्य रूप से बॉलीवुड फिल्मों में एनर्जेटिक और लोकप्रिय गानों के लिए जानी जाती हैं। वह कई हिट फिल्मों जैसे 'हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया' में 'सैटरडे सैटरडे' और '2 स्टेट्स' में 'इस्की उसकी' जैसे पॉपुलर गानों के लिए जानी जाती हैं, जो कि आज भी पार्टियों में जमकर बजाए और पसंद किए जाते हैं। आकृति हिंदी गानों के साथ-साथ बंगाली गीतों के लिए भी प्रसिद्ध हैं।

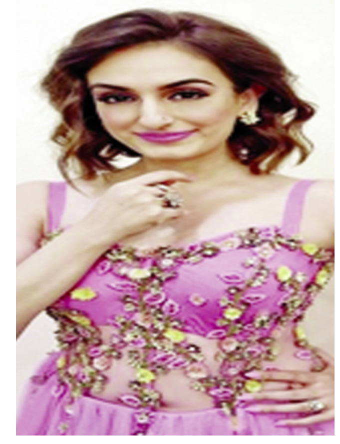

उनका जन्म 7 अगस्त 1986 को नई दिल्ली में एक संगीत प्रेमी परिवार में हुआ था।

उनके पिता का नाम संजीव कक्कड़ और मां का नाम निर्मल कक्कड़ है, जो कि खुद भी एक संगीत प्रेमी हैं।

अल्मोड़ा की शांत वादियों में विराजमान हैं बाल भोलेनाथ

श्री जागेश्वर महादेव मंदिर का पौराणिक इतिहास

आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए मशहूर मंदिर का कई धार्मिक ग्रंथों में जिक्र

अल्मोड़ा, 6 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले की शांत वादियो में 'श्री जागेश्वर महादेव मंदिर' विराजमान है। सदियों पुराना यह मंदिर न सिर्फ धार्मिक आस्था का केंद्र है बल्कि, अपनी अद्भुत वास्तुकला के लिए भी दुनियाभर में प्रसिद्ध है। गुरुवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी मंदिर की विशेषता पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मंदिर का भव्य वीडियो पोस्ट कर लिखा कि अल्मोड़ा जिले के घने देवदार के जंगलों के बीच बसा, देवाधिदेव महादेव को समर्पित श्री जागेश्वर महादेव मंदिर, एक बहुत ही मनमोहक तीर्थस्थल है जो लाखों भक्तों की अटूट आस्था का एक बड़ा केंद्र है। अपनी दिव्यता, आध्यात्मिक ऊर्जा और पुरानी वास्तुकला के लिए मशहूर मंदिर का जिक्र कई धार्मिक ग्रंथों में मिलता है, जिसमें स्कंद पुराण भी शामिल है, जो इस जगह के ऐतिहासिक और धार्मिक

महत्व को बताता है। श्रावण के पवित्र महीने में देवभूमि उत्तराखंड की अपनी यात्रा के दौरान श्री जागेश्वर महादेव के दर्शन का पुण्य जरूर पाएं।

श्री जागेश्वर महादेव मंदिर उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में देवदार के घने जंगलों और जटा गंगा नदी के किनारे बसा पावन धाम 'श्री जागेश्वर महादेव मंदिर' लगभग 2500 साल पुराना माना जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मंदिर का निर्माण मुख्य रूप से गुप्त काल के बाद और मध्यकाल से पहले कत्युरी राजाओं द्वारा किया गया था।

मान्यता है कि यहां सप्तऋषियों ने लंबे समय तक तपस्या की थी। 8वीं शताब्दी में केदारनाथ जाने से पहले आदि गुरु शंकराचार्य ने यहां आकर ध्यान लगाया था और इन मंदिरों का जीर्णोद्धार करवाया था। इस मंदिर में मुख्य रूप से शिव जी के बाल स्वरूप की पूजा की जाती है, जिन्हें (बाल जागेश्वर) कहते हैं।

यहां का सबसे पुराना मंदिर 8वीं सदी का मृत्युंजय मंदिर है। इसके बाद जागेश्वर, नवदुर्गा, कालिका, प्यूष्टिदेवी, बालेश्वर और कुछ छोटे मंदिर बने। ये सभी शुरुआती कत्यूरी राजाओं ने बनवाए थे। बाद के कत्यूरियों ने 11वीं और 14वीं सदी के बीच सूर्य, नवग्रह और नीलकंठेश्वर मंदिर बनवाए। पांच छोटे मंदिर गरुड़ ज्ञान चंद के राज के बताए जाते हैं।

बंधन कॉन्ट्रा फंड के लॉन्च की हुई घोषणा

नई दिल्ली। बंधन म्यूचुअल फंड ने आज बंधन कॉन्ट्रा फंड के लॉन्च की घोषणा की। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी योजना है, जो विपरीत (कॉन्ट्रेरियन) निवेश रणनीति का अनुसरण करती है। इस फंड का उद्देश्य ऐसे मूलभूत रूप से मजबूत व्यवसायों की पहचान करना है, जो सेक्टर-स्तरीय चिंताओं, चक्रीय चुनौतियों, व्यापक आर्थिक अनिश्चितताओं या मौजूदा बाज़ार धारणा के कारण अस्थायी रूप से निवेशकों की पसंद से बाहर हों, लेकिन समय के साथ धारणा और मूलभूत कारकों में सुधार होने पर जिनके पुनर्मूल्यांकन (री-रेटिंग) की संभावना हो। न्यू फंड ऑफर (हस्नह्र) सोमवार, 10 अगस्त को खुलेगा और सोमवार, 24 अगस्त को बंद होगा। बन्धन कॉन्ट्रा फंड के बारे में बात करते हुए, बंधन एएमसी के सीईओ विशाल कपूर ने कहा, 'बंधन कॉन्ट्रा फंड ऐसे समय में लॉन्च किया गया है जब विभिन्न सेक्टरों के वैल्यूएशन में अंतर काफी बढ़ गया है, जिससे चुनिंदा कॉन्ट्रेरियन निवेश के अवसर पैदा हुए हैं।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

• किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।

• भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नहीं कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।

• मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।

• जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

• मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।

• भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।

• आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।

• जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें • मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर • भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09040
हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

wwww.shabdwanisamachar.page E-mail : shabdwanisamachar2003@gmail.com Helpline : 0886-012-8844

श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच आज से

अभ्यास मैच के लिए तैयार की गई घास वाली पिच को लेकर टीम इंडिया नाराज

● कोलंबो/ (एजेंसी)

भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले अभ्यास मैच की पिच को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय टीम 7 अगस्त से कोलंबो के एनसीसी (नॉनडिस्क्रिप्ट क्रिकेट क्लब) मैदान पर श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच खेलेगी, लेकिन मुकाबले से पहले तैयार की गई घास वाली पिच से टीम मैनेजमेंट संतुष्ट नहीं है।

भारतीय टीम की इच्छा थी कि अभ्यास मैच के लिए गॉल जैसी स्पिन मददगार विकेट तैयार की जाए, ताकि बल्लेबाज और स्पिनर टेस्ट सीरीज से पहले बेहतर तैयारी कर सकें। हालांकि एनसीसी में तैयार की गई पिच पर घास छोड़ी गई है, जिससे शुरुआती दिनों में तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की संभावना है।

क्लब प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि पिच श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के निर्देश पर तैयार की गई है। क्लब के अधिकारियों के अनुसार शुरुआती दो दिन विकेट बल्लेबाजी और तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल रहेगी, जबकि तीसरे दिन स्पिनरों को कुछ सहायता मिल सकती है। भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा, जहां पारंपरिक रूप से स्पिनरों को मदद मिलती है। ऐसे में भारतीय टीम चाहती थी कि अभ्यास भी उसी तरह की परिस्थितियों में हो। हाल के समय में भारतीय बल्लेबाज स्पिन के खिलाफ संघर्ष करते नजर आए हैं, इसलिए टीम मैनेजमेंट स्पिन के खिलाफ अधिक अभ्यास पर जोर दे रहा था। भारत ने 2015 के बाद से श्रीलंका के खिलाफ कोई टेस्ट सीरीज नहीं गंवाई है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के लिहाज से भी यह सीरीज अहम मानी जा रही है।

अभ्यास के दौरान गिल चोटिल

टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय कप्तान शुभमन गिल अभ्यास के दौरान चोटिल हो गए। तेज गेंदबाजों का सामना करते समय गेंद उनके अंगूठे पर लगी, जिसके बाद उन्हें तुरंत मेडिकल स्टाफ के पास जाना पड़ा। प्राथमिक उपचार के बाद गिल दोबारा नेट्स पर लौटे और बल्लेबाजी जारी रखी। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार चोट गंभीर नहीं है। हालांकि बाद में स्लिप कैचिंग अभ्यास के दौरान गेंद एक बार फिर उनके दाएं हाथ पर लगी, जिसके बाद फिजियो ने बर्फ से उपचार किया। भारतीय टीम 7 अगस्त से तीन दिवसीय वॉर्म-अप मैच खेलेगी। ऐसे में टीम प्रबंधन किसी भी खिलाड़ी को लेकर जोखिम नहीं लेना चाहता। भारत पहले ही चोटों से जूझ रहा है। जसप्रीत बुमराह इस टेस्ट सीरीज से बाहर हैं, जबकि शिवम दुबे भी हैमस्ट्रिंग चोट के कारण दौरे पर नहीं जा सके। हर्षित राणा भी उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में तेज गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज संभालेंगे।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं...

श्रीलंका क्रिकेट इलेवन: निशान मदुष्का, रविंदु रशांथा, पसिंदु सूरियाबंदारा, पवन रत्नायके, अहान विक्रमसिंघे, सोनल दिनुषा (कप्तान), अंजला बंडारा (विकेटकीपर), निपुण धनंजय, लाहिरू कुमारा, विश्व फर्नांडो, असंका मनोज, इसिथा विजेसुंदरा, रमेश मेंडिस, केसरा नुवांथा और दिलुम सुदीरा।

भारतीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, आकिब नबी, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार और सारांश जैन।

टीम इंडिया के खिलाफ श्रीलंका क्रिकेट इलेवन का ऐलान, सोनल दिनुषा को कप्तानी

श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने भारत के खिलाफ 7 अगस्त से शुरू होने वाले तीन दिवसीय अभ्यास मैच के लिए 15 सदस्यीय श्रीलंका क्रिकेट इलेवन की घोषणा कर दी है। टीम की कप्तानी 25 वर्षीय ऑलराउंडर सोनल दिनुषा को सौंपी गई है। इस टीम में लाहिरू कुमारा, विश्व फर्नांडो, निशान मदुष्का और सोनल दिनुषा जैसे खिलाड़ी शामिल हैं, जिन्हें श्रीलंका की टेस्ट टीम का संभावित दावेदार माना जा रहा है। भारत के खिलाफ अभ्यास मैच इन खिलाड़ियों के लिए चयनकर्ताओं को प्रभावित करने का बड़ा अवसर होगा। सोनल दिनुषा अब तक श्रीलंका के लिए तीन टेस्ट खेल चुके हैं। उन्होंने पांच पारियों में 186 रन बनाए हैं और छह विकेट भी लिए हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनके नाम 3,698 रन और 133 विकेट दर्ज हैं।

भारत का श्रीलंका दौरा

- **7-9 अगस्त**: अभ्यास मैच, कोलंबो
- **15-19 अगस्त**: पहला टेस्ट, गॉल
- **23-27 अगस्त**: दूसरा टेस्ट, कोलंबो

बीसीसीआई ने क्रिकेटरों के लिए तय किए नए मानक

टीम इंडिया में चयन के लिए अब ब्रोंको टेस्ट और 2 किलोमीटर दौड़ अनिवार्य

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम में लगातार बढ़ रही चोटों की समस्या के बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने खिलाड़ियों की फिटनेस जांच के लिए नए मानक तय किए हैं। अब राष्ट्रीय टीम में वापसी या चयन से पहले खिलाड़ियों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ब्रोंको टेस्ट और 2 किलोमीटर दौड़ अनिवार्य रूप से पास करनी होगी।

इन दोनों परीक्षणों में सफल होने पर ही खिलाड़ियों को फिटनेस सर्टिफिकेट मिलेगा। हाल के दिनों में तेज गेंदबाज हर्षित राणा, ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी चोट से उबरने के बाद दोबारा फिटनेस समस्याओं से जूझते रहे हैं। इसे देखते हुए बीसीसीआई ने फिटनेस मूल्यांकन प्रक्रिया को और सख्त बनाने का फैसला किया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस अब ब्रोंको टेस्ट और 2 किलोमीटर दौड़ को बुनियादी फिटनेस मानक बनाने की तैयारी में है। अब तक फिटनेस जांच के लिए कोई एक समान प्रक्रिया नहीं होने से मानकों में असंगति देखने को मिल रही थी।

बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने ब्रोंको टेस्ट के लिए 5 मिनट 15 सेकंड से 5 मिनट 20 सेकंड का मानक निर्धारित किया है। वहीं, 2 किलोमीटर दौड़ 9 से 10 मिनट के भीतर पूरी करनी होगी। इससे पहले खिलाड़ियों की फिटनेस का आकलन मुख्य रूप से यो-यो टेस्ट के आधार पर किया जाता था, जिसमें 16.5 अंक न्यूनतम मानक था।बताया जा रहा है कि स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच एड्रियन लेरू के कार्यभार संभालने के बाद फिटनेस टेस्टिंग में बदलाव की प्रक्रिया शुरू हुई। लेरू ब्रोंको टेस्ट को प्राथमिकता देते हैं, जबकि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस अब तक यो-यो टेस्ट के आधार पर खिलाड़ियों की फिटनेस जांच रहा था।

द. अफ्रीका दौरे में जोड़े गए 3 टी20 मैच

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के इस साल होने वाले दक्षिण अफ्रीका दौरे के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। अब दौरे में एक टेस्ट और तीन वनडे के अलावा तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले जाएंगे। पहले दौरे में एक अभ्यास मैच, तीन वनडे और एकमात्र टेस्ट शामिल था। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार एकमात्र टेस्ट मैच 9 से 12 दिसंबर तक खेला जाएगा। इसके बाद 16 से 30 दिसंबर के बीच तीन वनडे और तीन टी20 मुकाबले आयोजित होंगे। नए कार्यक्रम के चलते भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका में एक सप्ताह अधिक समय तक रुकेगी। तीन टी20 मैचों को शामिल करने का उद्देश्य दोनों टीमों को अगले वर्ष फरवरी में श्रीलंका में होने वाली पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की बेहतर तैयारी का मौका देना है। कार्यक्रम में बदलाव से महिला टेस्ट मैच का टकराव दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड की पुरुष टीम के टेस्ट मुकाबले से भी टल गया है। महिला टेस्ट कबेखा में खेला जाएगा। तीनों वनडे मुकाबले आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा होंगे, जिसके आधार पर 2029 महिला वनडे विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन तय होगा।

जिला स्तरीय शालेय वॉलीबॉल में मॉडल स्कूल बना चैंपियन

● भोपाल / (एजेंसी)

70वीं जिला स्तरीय शालेय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 5 अगस्त से टी.टी. नगर स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता के अंडर-17 बालिका वर्ग में मॉडल स्कूल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिला चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। मॉडल स्कूल ने क्वार्टर फाइनल में फादर एग्नेल स्कूल को पराजित किया। इसके बाद सेमीफाइनल में आनंद विहार स्कूल को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में टीम ने जवाहरलाल स्कूल को 25-04 और 25-08 के एकतरफा सेटों से हराकर खिताब अपने नाम किया।

कप्तान कृतिका और उपकप्तान अंशिका ने पूरे टूर्नामेंट में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

टीम की कप्तान कृतिका ढाके तथा उपकप्तान अंशिका रघुवंशी ने पूरे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विजेता टीम को विद्यालय की प्राचार्य रेखा शर्मा, उपप्राचार्य डॉ. ममता दीक्षित तथा खेल अधिकारी दीवान चंद्र मौली ने ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं स्टाफ ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दो साल बाद डैन लॉरेंस की टेस्ट टीम में वापसी

लंदन, आरएनएन। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों के लिए 16 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। पहला टेस्ट 19 अगस्त से हेडिंग्ले में खेला जाएगा।

पाकिस्तान टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम घोषित, जो रूट बने कप्तान

दो साल बाद डैन लॉरेंस की टेस्ट टीम में वापसी हुई है, जबकि ओली पोप, ब्रायडन कार्स और सैम कुक भी टीम में लौटे हैं। चोटिल जैकब बेथेल की जगह जॉर्डन कॉक्स को नंबर-3 पर बल्लेबाजी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि जो रूट 2022 के बाद पहली बार स्थायी टेस्ट कप्तान के रूप में टीम की कमान संभालेंगे।

राष्ट्रीय चयनकर्ता मार्कस नॉर्थ ने कहा कि टीम में युवा खिलाड़ियों और अनुभवी क्रिकेटरों का संतुलित मिश्रण है, जो पाकिस्तान जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अहम साबित होगा।

यशमित के गोलों से डीपीएस कोलार बना फुटबॉल चैंपियन

फाइनल में कैंपियन भौरी को 2-0 से दी शिकस्त

● भोपाल / (एजेंसी)

यूज़लोकेटर आइकॉनिक इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट-2026 के फाइनल में डीपीएस कोलार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कैंपियन भौरी को 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

फाइनल मुकाबले के हीरो रहे डीपीएस कोलार के यशमित, जिन्होंने दोनों गोल दागकर टीम को यादगार जीत दिलाई। पूरे मैच में डीपीएस कोलार का दबदबा कायम रहा, जबकि कैंपियन भौरी की टीम मिले अवसरों का लाभ उठाने में नाकाम रही। समापन समारोह में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी अयान खान, यूज़लोकेटर के डायरेक्टर फैसल मीर, संजय शर्मा तथा सीएफओ दीक्षा बुलचंदानी ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और मेडल प्रदान किए। साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कारों से सम्मानित किया।

व्यक्तिगत पुरस्कार

- बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट: यशमित (डीपीएस कोलार)
- गोल्डन बूट: लक्ष्य रावत (द आइकॉनिक स्कूल)
- बेस्ट गोलकीपर: हर्षित
- फेयर प्ले अवॉर्ड: इब्राहिम

राजवीर और आदिल के गोल से मप्र ने कटाया फाइनल का टिकट

16वीं हॉकी इंडिया जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप

अब 8 को फाइनल में ओडिशा से होगी टक्कर

● भोपाल / (एजेंसी)

16वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप-2026 में मध्यप्रदेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में झारखंड को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

कोयंबटूर में खेले गए मुकाबले में पहले तीन क्वार्टर तक दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं। अंतिम क्वार्टर में मध्यप्रदेश ने आक्रामक खेल दिखाया। 56वें मिनट में राजवीर सिंह ने पहला गोल किया, जबकि 58वें मिनट में आशिर आदिल खान ने दूसरा गोल दागकर जीत पक्की कर दी।

मध्यप्रदेश के गोलकीपर जतिन वर्मा को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अब मध्यप्रदेश का सामना 8 अगस्त को फाइनल में ओडिशा से होगा। खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने टीम को बधाई देते हुए फाइनल के लिए शुभकामनाएं दीं और राष्ट्रीय खिताब जीतने का विश्वास जताया।

चेतावनी विनोद कांबली और पृथ्वी शॉ का नाम लेकर वैभव सूर्यवंशी को रॉबिन उथप्पा ने दी चेतावनी

वैभव सूर्यवंशी में सचिन से भी बड़ा सितारा बनने की है क्षमता

● नई दिल्ली , (एजेंसी)

महज 15 साल की उम्र में भारतीय क्रिकेट की नई सनसनी बने वैभव सूर्यवंशी अब सिर्फ अपने विस्फोटक खेल की वजह से नहीं, बल्कि क्रिकेट जगत के दिग्गजों की राय और उम्मीदों के कारण भी सुर्खियों में हैं।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने जहां उन्हें सीमित ओवरों के क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर से भी बड़ा प्रभाव छोडने् की क्षमता वाला खिलाड़ी बताया है, वहीं इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जोस बटलर ने भविष्यवाणी की है कि एक दिन वैभव उनका टी20 क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। दूसरी ओर अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने उन्हें अनुशासन और सही मार्गदर्शन की अहमियत समझाई है।

अब एशियन गेम्स में भी सभी की नजरें इस युवा बल्लेबाज पर टिकी होंगी। पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा का मानना है कि वैभव सूर्यवंशी में व्हाइट-बॉल क्रिकेट का सबसे बड़ा सितारा बनने की क्षमता है। यदि उनके करियर को सही तरीके से संभाला गया तो वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर से भी बड़ा प्रभाव छोड़ सकते हैं। हालांकि उथप्पा ने चेतावनी भी दी कि केवल प्रतिभा काफी नहीं होती। उन्होंने विनोद कांबली और पृथ्वी शॉ का उदाहरण देते हुए कहा कि कम उम्र में मिली सफलता के बाद अनुशासन और सही मार्गदर्शन की कमी कई खिलाड़ियों के करियर पर भारी पड़ी है। उनके मुताबिक वैभव को मैदान के बाहर मिलने वाली लोकप्रियता और दबाव को भी उतनी ही समझदारी से संभालना होगा।

बटलर बोले...

वैभव ही तोड़ सकता है मेरा 15 हजार रनों का रिकॉर्ड

इंग्लैंड के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने द हंड्रेड टूर्नामेंट में टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड को पीछे छोड़ते हुए 522 मैचों में 14,833 रन पूरे किए। रिकॉर्ड बनाने के बाद बटलर ने मुस्कुराते हुए कहा कि एक दिन कोई न कोई उनका रिकॉर्ड जरूर तोड़ेगा और उन्हें लगता है कि शायद वह खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी होंगे। बटलर का यह बयान इस बात का संकेत है कि दुनिया के बड़े क्रिकेटर भी भारतीय किशोर बल्लेबाज की प्रतिभा को भविष्य का बड़ा सितारा मान रहे हैं।

रहाणे की सलाह...

अगले 10 साल सबसे अहम

भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने वैभव के लिए सबसे अहम सलाह दी है। उनका कहना है कि अगले पांच से दस साल ही तय करेंगे कि वैभव सिर्फ एक सनसनी बनकर रह जाएंगे या भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाजों में शामिल होंगे। रहाणे ने कहा कि कम उम्र में मिलने वाली लोकप्रियता, विज्ञापन और लगातार बढ़ती चर्चाओं के बीच परिवार की जिम्मेदारी सबसे ज्यादा होगी। परिवार और टीम प्रबंधन को यह सुनिश्चित करना होगा कि वैभव का पूरा ध्यान सिर्फ क्रिकेट पर रहे।

95 रन, 8 छक्के और नोवाक जोकोविच वाला सेलिब्रेशन

डीपीएल में छा गए सांसद पप्पू यादव के बेटे

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स को 6 विकेट से हराकर सीजन की पहली जीत दर्ज की। टीम के कप्तान और सांसद पप्पू यादव के बेटे सार्थक रंजन ने 50 गेंदों में 95 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 8 छक्के और 7 चौके शामिल रहे। 172 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नॉर्थ दिल्ली ने शुरुआती दो विकेट जल्दी गंवा दिए थे, लेकिन सार्थक रंजन और यश भाटिया (नाबाद 53) ने 113 रन की साझेदारी कर मैच पलट दिया। सार्थक ने एक ओवर में 29 रन बटोरकर जीत की राह आसान कर दी। इससे पहले ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने 6 विकेट पर 171 रन बनाए। सुजल सिंह ने नाबाद 82 रन की पारी खेली। अर्धशतक पूरा करने के बाद सार्थक का टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच की शैली में किया गया सेलिब्रेशन भी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। जीत के बाद उन्होंने इसे कप्तान के रूप में अपनी पहली और बेहद खास जीत बताया।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)

दिन	रात
257 = 4	460 = 0
256 = 3	478 = 9

शुभांक

दिन	रात
990 = 8	457 = 6
135 = 9	236 = 1

भाग्यांक

0 2 5 9

www.kalyangame.com

जानकारी

रोजाना 10 मिनट में करें ये 2 योगासन

तेजी से कम होगी पेट की चर्बी

पेट और कमर पर जमा चर्बी और पूरे शरीर का मोटापा घटाने के लिए आप इन 2 योगासनों का अभ्यास रोजाना सिर्फ 10 मिनट करें। ये दोनों योगासन तेजी से फैट बर्न करते हैं और आपका वजन घटाने में मदद करते हैं। अगर आप मोटापे से परेशान हैं या आपके पेट और कमर में चर्बी जमा हो गई है, तो रोजाना योगसन के द्वारा आप अपना वजन घटा सकते हैं। मोटा और थुलथुला शरीर किसी को पसंद नहीं होता है क्योंकि इसके कारण कई तरह की परेशानियां होती हैं और शरीर भी आकर्षक नहीं लगता है। ऐसे कई योगासन हैं, जिनके नियमित अभ्यास से आप अपने पेट और कमर में जमा चर्बी को घटा सकते हैं और शरीर को फिट बना सकते हैं। आज हम आपको बता रहे हैं ऐसे ही 2 योगासन, जिन्हें करना भी आसान है और रोजाना सिर्फ 10 मिनट करके आप अच्छा शरीर पा सकते हैं।

सेतुबंधासन

सेतुबंधासन एक आसान योगासन है, जिसे करते समय व्यक्ति का शरीर पुल (सेतु) के समान हो जाता है। रोजाना सेतुबंधासन के अभ्यास से पेट और चर्बी को आसानी से कम किया जा सकता है। इसके अलावा इस आसन के अभ्यास से आपकी पैर और जांघ भी मजबूत होते हैं। कमरदर्द और पीठ दर्द की समस्या में भी सेतुबंधासन को काफी असरदार योगासन माना जाता है।

सेतुबंधास करने की आसान विधि

- सेतुबंधासन के अभ्यास के लिए सबसे पहले चटाई पर सीधा लेट जाएं और पैरों के बीच थोड़ा अंतर रखें।
- अपनी हथेलियों को जमीन की तरफ रखें और घुटनों को मोड़ लें।
- अब अपने हाथों से पैर को दोनों टखनों के बगल से लॉक कर लें या टखनों को मजबूती से पकड़ लें।
- इस पोजीशन में रहते हुए अपने कूल्हों को ऊपर की तरफ उठाएं, जिससे आपका शरीर भी ऊपर उठे और एक पुल जैसी आकृति बन जाए।
- इस पोजीशन में 10 से 30 सेकंड या जितनी देर रुक सकें, रुकें और फिर सामान्य स्थिति में आ जाएं।
- यही सेतुबंधासन है। इस आसन का रोजाना 10-12 बार या जितना कर सकें, अभ्यास करें।
- इससे आपके पेट की चर्बी कम होगी और आपका मोटापा कम हो जाएगा।

नौकासन

पेट पर जमा चर्बी को घटाने के लिए नौकासन भी एक बेहतरीन योगासन है। इस आसन को करते समय आपके पेट के आसपास के हिस्से में दबाव पड़ता है, जिससे तेजी से फैट बर्न होता है। इस योगासन के अभ्यास से पेट साफ रहता है इसलिए ये कब्ज के रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। इसके अलावा नौकासन हाथों, कंधों, पैरों और जांघों को मजबूत बनाता है।

नौकासन करने का तरीका

- सबसे पहले चटाई पर सीधा लेट जाएं और अपने हाथों को जांघों के बगल में रखें।
- अब सांस अंदर खींचते हुए अपने कूल्हों को जमीन पर टिका रहने दें जबकि बाकी के शरीर को ऊपर की तरफ उठाएं।
- इस दौरान अपने हाथों को सामने की तरफ सीने की सीध में रखें।
- इस पोजीशन में 5-10 सेकंड या जितनी देर रुक सकें, रुकें और फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए सामान्य पोजीशन में आ जाएं।
- यही है नौकासन। इस आसन का अभ्यास रोजाना 10-12 बार या जितना कर सकें, करें।
- इस आसन के अभ्यास से पेट और कमर की चर्बी बहुत तेजी से कम होती है।

पाचन तंत्र दुरुस्त रखने के लिए इन चीजों का करें सेवन

पाचन तंत्र हमारी सेहत को बहुत प्रभावित करता है। पाचन तंत्र हमारे खाने को पचाकर उस खाने से शरीर को पोषक तत्व पहुंचाने में खास भूमिका निभाता है। इसलिए पाचन तंत्र को दुरुस्त रखना जरूरी है। इसके लिए अपनी दिनचर्या में कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सुबह गुनगुना पानी पीएं

सुबह जागने के बाद गुनगुना पानी पीना आंत की सफाई, नए खून के निर्माण, वजन कम करने और त्वचा को चमक देने में सहायता करता है।

जब भोजन करें

भोजन के तुरंत बाद चाय या कॉफी न लें, क्योंकि ये भोजन से लौह तत्व लेने में बाधा पैदा करते हैं। भोजन के तुरंत बाद लेटें या सोएं नहीं, क्योंकि इससे पेट में मौजूद अम्ल खाने की नली में पहुंचकर सीने में जलन पैदा कर सकता है। भोजन को निगलने के पहले खूब चबाएं, ताकि उसमें मुंह से निकलने वाला पाचक रस मिल जाए। फलों का रस पीने की बजाय उन्हें काटकर खाएं, ताकि उनका फाइबर आपको मिल सके। भोजन के आधा घंटा पहले पानी पीना पाचन में सहायक होता है।

अनन्नास

पाचन सुधारता है, सूजन घटाता है, आंखों की रोशनी बढ़ाता है, हड्डियां मजबूत करता है और त्वचा को स्वस्थ रखता है।

दही

अस्वस्थ पेट के लिए दही सबसे बढ़िया आहार होता है। यह पेट को तत्काल ठंडक प्रदान करता है।

अदरक

पाचन संबंधी समस्याओं को ठीक करने का अदभुत जरिया है। भोजन पचाने के लिए जरूरी रसों और एंजाइम के प्रवाह को प्रेरित करता है। खांसी-जुकाम, अपच, उल्टी और गले की पीड़ा से राहत देता है।

मेथी दाना

मेथी दाने और दही का सम्मिलित प्रभाव पेट दर्द और उल्टी से तुरंत राहत देता है। कुछ दाने निगलने होते हैं, उन्हें चबाना नहीं होता।

काली मिर्च

पाचन सुधारने, भूख बढ़ाने और पेट संबंधी समस्याओं को दूर करने में असरदार होती है। यह पेट की गैस को भी दूर करती है।

सौंफ

अपच, पेट फूलना, कब्ज और इरिटेबल बाउल सिंड्रोम के उपचार में उपयोगी है। गैस और अपच से पीड़ित बच्चे को एक चम्मच कुटी सौंफ एक कप गर्म पानी में शहद के साथ मिलाकर 10 मिनट तक हिलाने के बाद धीरे-धीरे पिलाएं।

केला

केला आपकी आंतों को स्वस्थ रखने, हृदय की लय बनाए रखने वाले पोषक तत्व प्रदान करने और स्वास्थ्य के लिए आवश्यक विटामिन देने में मदद करते हैं। केला पेट के लिए बहुत फायदेमंद फल है, जो आपके बिगड़े पेट को प्राकृतिक रूप से ठीक करने में मदद करता है

सुझाव

इन तरीकों से बच्चों को पिलाएं दूध

बच्चों को दूध पिलाना

बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए दूध बहुत जरूरी है, खासकर हड्डियों को मजबूत बनाने में दूध की भूमिका सबसे अहम होती है। लेकिन दूध के नाम पर बच्चे भागते हैं, और आप उसी दूध में आप कॉर्नफ्लेक्स, बोर्नवीटा और अन्य स्वादिष्ट और पौष्टिक चीज़ों का लालच देकर दूध पिलाने की कोशिश करती रहती हैं फिर भी वे दूध पीने से कतराते हैं। पर आज हम आपके लिए घर में ही दूध से बनने वाली कुछ रेसिपी के बारें में बता रहे हैं, जो आपके बच्चे के दूध को फेवरेट बना देंगीं। इन तरीकों से बच्चे दूध पीने में कोताही नहीं बरतेंगे।

फेवरेट कार्टून के गिलास में पिलायें

जब आपका बच्चा दूध पीने से मना करें तो उसे सुंदर और डिजाइनर गिलास में दूध देना शुरू कर दें। इससे गिलास की खूबसूरती को देख कर वह दूध पर ध्यान नहीं देगा और दूध पी लेगा। आप चाहें तो बाजार से कार्टून वाली ग्लास में भी दूध पिला सकती है। अपने कार्टून की खातिर अक्सर बच्चे दूध पीने में नाटक नहीं करते है।

फ्लेवर्ड मिल्क

कई बच्चे दूध सिर्फ इसलिए नहीं पीते हैं क्योंकि उन्हें सादे दूध का स्वाद नहीं पसंद आता है। इसलिए माता पिता को यह सलाह दी जाती है कि वे अपने बच्चों को दूध में चॉकलेट या स्ट्रॉबेरी फ्लेवर मिला कर दूध पिलाएं। इससे आपका बच्चा आसानी से दूध पीना शुरू कर देगा।बच्चा अगर दूध नहीं पी रहा है तो उसमें फल मिला कर उसका मिल्कशेक बना दें। यह और भी अच्छा होगा अगर आप इन शेक्स में बच्चों के पसंदीदा फल मिलाएंगे। इसे बच्चे बहुत चाव से पीएंगे।

नाश्ते से पहले दूध

अगर आप यह सोच रहीं हैं कि बच्चे को कैसे दूध पिलाएं तो हमेशा याद रखें कि जब भी बच्चा भूखा हो तो उसे नाश्ते से पहले दूध पीने को दें। इससे वह दूध पी लेगा। हम कई बार सोचते हैं कि हम ऐसा क्या करें जिसे हमारा बच्चा अच्छे से दूध पीने लगे। उसे खेल खेल में दूध पिलाने की कोशिश करें, इसे उसका ध्यान दूध में भी नहीं होगा और वो दूध भी पी लेगा।

रोज मिल्क

एक गिलास ठंडा दूध लें और उसमें रोज मिल्क एसेंस और चीनी मिलाएं। फिर इसमें कटे हुए बादाम ओर काजू डाल कर अच्छी तरह से मिक्स करें। अब इसे कटी हुई स्ट्रॉबेरी डाल कर बच्चों को सर्व करें।रोज मिल्क में कैलशिम काफी सारा होता है जिससे हड्डियां और दांत मजबूत बनते हैं।

खाने का जायका बढ़ा देंगे ये अलग तरह के रायते

पुलाव हो या कबाब और चाहे खिचड़ी, रायते का साथ हमेशा स्वाद बढ़ाता है। स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिहाज से भी रायते के कई फायदे हैं। जब भी रायता बनाने की बात आती है, तो बूंदी, धुंगार (स्मोक्ड) रायता, लौकी का रायता जैसे कुछ विकल्प ही सामने आते हैं। मगर इसके आगे भी विकल्प हैं। आप चाहे तो अनार, अनानास व भिंडी का रायता बनाकर आप अपना जायका थोड़ा अलग कर सकते हैं।

अनार रायता

अमूमन कस्टर्ड में आप अनार को मिक्स करके खाते होंगे। मगर रायते के साथ भी इसका कांबिनेशन लाजवाब रहेगा। इस रायते की अपनी एक क्लास है। तो अगली बार जब भी कोई पार्टी हो तो इसे जरूर ट्राई करें। यह किसी भी आम रायते की तरह ही बनता है। मगर स्वादानुसार आप इसे थोड़ा मीठा भी बना सकते हैं।

अनानास का रायता

अगर तारीफ बटोरने के लिए रायते की रेसिपीज ढूंढ रहे हैं, तो यह सबसे बेस्ट है। इसका खट्टा-मीठा स्वाद किसी का भी दिल जीत लेगा। इसे बनाने के लिए एक बड़े बर्तन में फेटा हुआ दही डाले, उसमें चीनी, नमक, जीरा पाउडर, काला नमक मिलाकर अच्छी तरह फेंट लें। अब इसमें बारीक कटा अनानास और अनार के दाने मिलाएं। इसे फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। सर्व करते वक्त बचे हुए अनार के दाने और धनिया पाउडर से सजाकर सर्व करें।

भिंडी का रायता

भिंडी का रायता फटाफट तैयार किया जा सकता है। मेहमानों को यह रायता जरूर पसंद आएगा। इसे बनाने के लिए सबसे पहले भिंडी को तेल में फ्राई करें, इसे मसालों के साथ दही में डालें। फ्राइड भिंडी से रायते में क्रंची फ्लेवर आएगा। भिंडी के अलावा भुने जीरे, मिर्च और काली मिर्च से रायते का जायका और बढ़ जाएगा।

बारिश में त्वचा सबंधी समस्या किसी को भी हो सकती है

जरूरी है समय पर सही उपचार अपनाना

त्वचा का स्वास्थ्य और खूबसूरत होना भी जरूरी होता है। इसके घरेलु उपचार के साथ-साथ त्वचा का ख्याल रखना बहुत जरुरी है साथ ही त्वचा रोग विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में त्वचा सम्बंधी समस्याओं का समाधान करवाना एक बेहतर विकल्प होता है। हाल ही में मिसेस इंडिया यूके 2019, स्पर्धा में तीन टाइटल्स जीतने वाली डॉ. नेहा शर्मा ने भी त्वचा संबंधी परेशानियों का सामना किया लेकिन उन्हें सही वक्त पर त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. जे एस छाबड़ा (डर्मेटोलॉजिस्ट, कॉस्मेटोलॉजिस्ट तथा लेजर स्पेशलिस्ट) का परामर्श और उपचार मिला और अब उनकी त्वचा भी स्वस्थ और मुस्कराहट से भरी है।

डॉ. जे. एस. छाबड़ा के अनुसार, खूबसूरत दमकती हुई स्वस्थ त्वचा हर इंसान की इच्छा होती है। आज प्रदूषण से लेकर लाइफस्टाइल के बैलेंस का बिगड़ने और असंतुलित खान-पान जैसी कई चीजें हैं जो त्वचा पर बुरा असर डालती है। इसके अलावा शरीर में होने वाले हार्मोनल चेंजेस भी त्वचा पर अपने निशान छोड़ सकते हैं। ऐसे में एक प्रशिक्षित डर्मेटोलॉजिस्ट या त्वचा रोग विशेषज्ञ सही इलाज और थैरेपीज के साथ त्वचा को फिर से खिला हुआ बना सकते हैं।

डॉ. नेहा शर्मा भी आम युवतियों की तरह अनइवन स्किन टोन, पिम्पल्स, डार्क सर्कल्स तथा टैनिंग जैसी समस्याओं से ग्रसित थी । उनकी स्किन बहुत सेंसिटिव है। ऐसे में कुछ ब्यूटी प्रोडक्ट्स ने उनकी परेशानी को और भी बड़ा दिया था। चूंकि डॉ. नेहा खुद भी मेडिकल साइंस की स्टूडेंट रही है इसलिए उन्होंने सही समय पर इलाज लेने का निर्णय लिया। हमने उनको पिम्पल्स के लिए आईपीएल (इंटेंस पल्स्ड लाइट) तथा पीलिंग ट्रीटमेंट दिया। साथ ही अनइवन स्किन टोन, डार्क सर्कल्स तथा टैनिंग के लिए लेजर फेशियल के साथ क्यू स्विच लेजर ट्रीटमेंट दिया गया। कुछ ही समय में इसका अच्छा रिजल्ट मिलने लगा और डॉ. नेहा शर्मा ने अपनी त्वचा में आए अच्छे परिवर्तनों को महसूस किया।

खास बात यह है कि त्वचा संबंधी किसी भी समस्या के लिए सही समय पर इलाज लेने के साथ ही इलाज के दौरान धैर्य रखना भी जरूरी है। यह कोई जादू नहीं है अच्छा और पूरा रिजल्ट मिलने के लिए आवश्यक है कि मरीज पूरा इलाज ले और डॉक्टर की सलाह का पालन करे, अपनी त्वचा का ख्याल भी अच्छे से रखे। आज मेडिकल साइंस के क्षेत्र में लगभग हर समस्या का समाधान मौजूद है आवश्यकता बस इतनी है कि आप समस्या को समझें, सही विशेषज्ञ से इलाज करवाएं और इलाज के बाद भी अच्छे से त्वचा का ख्याल रखें। इसमें नियमित दिनचर्या, संतुलित और पौष्टिक खान-पान तथा व्यायाम भी शामिल हैं इन सबसे आपको स्वस्थ और ताजगी भरी त्वचा पाने में मदद मिलती है।

रेसिपी

टमैटो सूप

सामग्री

- मक्खन- 1 बड़े चम्मच
- प्याज- 1/2 लंबा कटा हुआ
- टमाटर- 6-7 छिलका निकालकर कटे हुए
- पानी- 1 1/2 कप
- वेजिटेबल स्टॉक- 1/2 कप
- नमक- स्वादानुसार

विधि

एक पैन में मक्खन डालकर उसे अच्छे से पिघला लें। अब इसमें प्याज, टमाटर, नमक और पानी डालकर धीमी आंच पर पकाएं। 30-40 मिनट में ये अच्छी तरह से पक जाएगा। अब इसे मिक्सी में अच्छे से पीस लें। आवश्यकतानुसार नमक मिक्स करें और ब्रेड के छोटे टुकड़े डाल गरमा-गरम सूप सर्व करें।

केक

सामग्री

- अंडे- 4
- चीनी- 1 कप
- मैदा- 1 कप
- बेकिंग पाउडर- 1 चम्मच
- नमक- 1/4 चम्मच
- मक्खन- 1/2 कप
- वनिला एसेंस- 1/2 चम्मच

विधि

सबसे पहले एक बाउल में अंडा डाल अच्छे से फेंट लें। अब इसमें चीनी मिलाएं। इसके बाद मैदा, नमक और बेकिंग पाउडर डालें। अब इसमें पिघला हुआ मक्खन डालकर और फेंटे जिससे गुठली न रह जाए। सबसे बाद में वनिला एसेंस डालें। केक का बैटर तैयार है। अब जिस पैन में केक बनाना है उसे मक्खन से अच्छे से ग्रीस कर लें। अब इसमें केक का मिक्सचर डाल दें। अब इस पैन को प्रेशर कुकर में रखेंगे। सबसे पहले कुकर में एक ऐसी कटोरी में पानी रखें जो पैन का भार सह सके। अब कुकर का ढक्कन बंद कर देंगे लेकिन उसकी सीटी निकाल देंगे जिससे वो धीरे-धीरे स्टीम से पकता रहे। 15-20 मिनट बाद कुकर का ढक्कन खोलकर केक में चाकू के मदद से चेक करेंगे कि केक अच्छी तरह पक गया है या नहीं। चाकू में बैटर न लगे तो वो पूरी तरह पक चुका है और अलग गीला बैटर चाकू के साथ आए तो इसका मतलब उसे अभी और पकाने की जरूरत है। तो केक को किसी प्लेट में पलट देंगे और क्रीम, चॉकलेट जिससे भी इसकी कोटिंग करनी है करके फ्रिज में सेट होने के लिए रख देंगे। 1/2 से 1 घंटे बाद इसके स्लाइसेज करके सर्व करें।

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
Premium
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630